4-वाक्यांश के लिए एक शब्द
(अनेक शब्दों के लिए एक शब्द)

- हिसाब-किताब के जाँच करने की क्रिया – **अंकेक्षण**
- हिलोरें उत्पन्न करने वाला **– विलोड़क**
- हिन्दू की भाषा/भारतीय भाषा – **हिन्दी**
- हास्यजनक चित्रण करने वाला चित्र – **कार्टून**
- हास्य रस प्रधान नाटक का लेख – **प्रहसन**
- हाल ही में ब्याही स्त्री – **नवोढ़ा**
- हाल ही में उत्पन्न हुआ (बालक) – **नवजात**
- हाथी की पीठ पर रखी जाने वाली चौकी **– हौदा**
- हाथी की तरह चलने वाली स्त्री – **गजगामिनी**
- हाथी का सिर कोंचने का हथियार – **अंकुश**
- हाथी का बच्चा **– गजशावक (कलभ**)
- हाथियों के समूह में सबसे बड़ा हाथी – **करिन्द**
- हाथ में सरलता से आने वाली पुस्तिका – **हस्तपुस्तिका**
- हाथ में पकड़कर प्रयोग किया जाने वाला हथियार – **अस्त्र**
- हाथ जोड़कर प्रणाम करने की मुद्रा – **अंजलिबद्ध**
- हाथ की कारीगरी – **हस्तकौशल, हस्तशिल्प**
- हवा में मिली हुई धूल या भाप के कारण होने वाला अंधेरा – **धुन्ध/धुँध**
- हवा में उड़ने, रहने या होने वाला – **हवाई**
- हवन में जलाने वाली लकड़ी **– समिधा**
- हवन की वस्तु – **हवि**
- हरा भरा मैदान – **शाद्वल**
- हर तीसरे महीने होने वाला – **त्रैमासिक**
- हंस के समान गति से चलने वाली स्त्री – **हंसगामिनी**
- स्वार्थवश किसी का गुणगान (चापलूसी) करने वाला – **चाटुकार**
- स्वयं की हत्या करने की प्रवृत्ति – **आत्महत्या, आत्मघात**
- स्वतन्त्रता-प्राप्ति के बाद का **– स्वातन्त्रोत्तर**
- स्त्री-पुरुष का जोड़ा/पति एवं पत्नी – **दम्पत्ति**
- स्त्री, जिसकी आँखें मीन के समान हो – **मीनाक्षी**
- स्त्री सम्बन्धी, स्त्रियों का**–'स्त्रैण'**
- स्त्री के वश में रहने वाला/जिसका स्वभाव स्त्रियों जैसा हो – **स्त्रैण**
- सौर जगत का सबसे बड़ा ग्रह, जिसकी अन्य ग्रह परिक्रमा करते हैं – **सूर्य**
- सौतेली माता – **विमाता**
- सौत की तरह द्वेष रखनेवाला शत्रु– **सपत्न**
- सौ वस्तुओं का संग्रह/सौ की संख्या –**शतक**
- सौ वर्षों का समूह – **शताब्दी**
- सौ वर्ष की अवधि या समय –**शताब्दी**
- सौ में सौ – **शत-प्रतिशत**
- सोलह से अठारह वर्ष के बीच की नायिका – **मुग्धा**
- सोलह वर्ष की नायिका – **षोड्सी**
- सोने का स्थान या कमरा – **शयनागार**
- सोच समझकर कार्य न करने वाला – **अविवेकी**
- सैकड़ों आँख वाली नायिका **– शताक्षी**
- सेवा और आराधना करने योग्य – **सेव्य**
- सेना के ठहरने का स्थान – **छावनी**
- सेना का संचालक – **सेनापति**
- सेना का वह भाग जो सबसे आगे रहता है – **हरावल**
- सूर्योदय से पूर्व का समय – **अरूणोदय**
- सूर्योदय से पहले का समय – **उषाकाल**
- सूर्योदय से नौ बजे सुबह तक का पहर – **प्रातःकाल**
- सूर्यास्त के ठीक पहले और ठीक बाद का समय – **अतिसंध्या**
- सूर्य निकलने का समय – **सूर्योदय काल**
- सूर्य जिस स्थान (पर्वत) से निकलता है – **उदयाचल**
- सूर्य के अस्त होने का समय – **संध्याकाल**
- सूर्य की लालिमा दिखने का समय – **अरूणोदय काल**
- सूर्य का मकर रेखा से उत्तर जाना – उत्तारायण
- सूर्य का कर्क रेखा से दक्षिण जाना – दक्षिणायन
- सूक्ष्म होने की दिव्य शक्ति – **अणिमा**
- सुबह कौवे के बोलने का समय – **भोर**
- सुन्दर हृदय वाला – **सुहृदय**
- सुन्दर वालों वाली नायिका – **सुकेशी**
- सुन्दर मुस्कराने वाली नायिका – **सुष्मिता**
- सुन्दर गले वाली नायिका – **सुग्रीवा**
- सुन्दर और बड़े बालों वाली स्त्री – **केशिनी**
- सुन्दर आँखों वाली नायिका – **सुलोचना, सुनयना**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- सुजन (अच्छा मनुष्य) होने के अवस्था, गुण या भाव – **सौजन्य**
- सुंदर जाँघों वाली नायिका – **करभोरु**
- सीमा का अनुचित उल्लंघन करना – **अतिक्रमण**
- सिन्धु नदी के तट पर स्थित सभ्यता – **सैंधव-सभ्यता**
- सिक्के ढालने का कारखाना **– टकसाल**
- सिंह का बच्चा – **सिंह-शावक**
- सिंदूर रखने की डिबिया **– इंगुरौटी**
- साहित्य से सम्बन्धित – **साहित्यिक**
- सारे संसार के देशों की खेल प्रतियोगिताएँ – **ओलम्पिक**
- सारे शरीर की हड्डियों का ढाँचा – **कंकाल**
- सारे पृथ्वी का राजा – **चक्रवर्ती**
- सारे जीवन में किसी के कार्यों आदि का विवरण – **जीवन-चरित्र**
- साधारण या व्यापक नियम के विरुद्ध चीजें – **अपवाद**
- साथ में कार्य करने वाला व्यक्ति – **सहयोगी**
- सात दिनों की अवधि – **सप्ताह**
- सागर में लगने वाली अग्नि **– बड़वानल/बड़वाग्नि**
- सर्वाधिक शक्ति-सम्पन्न शासक- **अधिनायक**
- सर्वयुगानुकूल/जो हमेशा विद्यमान हो – **शाश्वत**
- सम्पूर्ण से सम्बंधित **– समष्टिमूलक**
- सम्पूर्ण लभ्य पर लक्षण का न घटित होना – **अव्याप्ति**
- समूह से सम्बन्धित या समूह द्वारा होने वाला – **सामूहिक**
- समुद्र के पानी से बनाया जाने वाला नमक – **करकच**
- समान रूप से ठण्डा और गर्म – **समशीतोष्ण**
- समान रूप से आगे बढ़ने की चेष्टा – **प्रतिस्पर्द्धा**
- समान उम्र वाले लोग – **समवयस्क, समआयु**
- समाज से सम्बन्धित – **सामाजिक**
- समाज में उच्च वर्ग और निम्नवर्ग के बीच का वर्ग – **मध्यवर्ग**
- समद्री जहाज जिस पर से सैनिक युद्ध करते हैं – **युद्धपोत**
- समग्र लाभ पाने की चाह – **लिप्सा**
- सभ्य होने की अवस्था, गुण या भाव **– सभ्यता**
- सबसे पहले गिना जाने वाला – **अग्रगण्य**
- सबको जीतने वाला – **सर्वजित**
- सबका प्रेम चाहने वाली नायिका – **सर्वकीया**
- सब भूमि या सब देशों में होने वाला – **सार्वभौम**
- सब कुछ खाने वाला हो – **सर्वभक्षी**
- सब कालों में होने वाला – **सार्वकालिक**
- सफेद कमल – **पुण्डरीक**
- सदैव प्रसन्न रहने वाला – **चिरप्रसन्न**
- सदा स्त्रियों की मण्डली में रहने की प्रवृत्ति रखने वाला**-'स्त्रैण'**
- सत्व, रज, तम तीनों गुण **– त्रिगुण**
- संबंध की दृष्टि से किसी के पुत्र या पुत्री का ससुर – **समधी**
- संध्याकाल जब गांये चरकर लौटती हैं/संध्या और रात के बीच का समय – **गोधूलि**
- संदेश ले जाने वाला – **संदेशवाहक**
- संचय किया हुआ – **संचित**
- संकेतस्थल पर प्रिय के न मिलने से चिन्ता करने वाली नायिका – **उत्कंठिता**
- संकीर्ण (संकुचित) विचारों वाला व्यक्ति – **दकियानूस**
- श्याम कमल – **इन्दीवर**
- शीतल, मन्द, सुगन्धित वायु – **त्रिविध वायु**
- शीत ऋतु की वर्षा – **महावट**
- शीघ्र आग पकड़ने वाला **– प्रज्वलनशील**
- शिशु संबंधी या शिशुओं की अवस्था से संबंधित – **शैशव**
- शासकीय अधिकारियों का शासन – **नौकरशाही**
- शरीर के पीछे का घाव – **पक्षाघात**
- शरण मे आया हुआ – **शरणागत**
- शत्रुओं को हत् करने वाला – **शत्रुहन्ता**
- शत्रुओं को मान-मर्दन करने लाला – **शत्रुध्न**
- शत्रुओं को ताप देने या तेजी से चमकने के कारण पूजा जाने वाला – **आशुशुक्षणि**
- शत्रुओं को जीतने वाला – **शत्रुजिता**
- शत्रु को जीतकर स्वतंत्र कर देने वाला – **शत्रुञ्जय**
- शगुन विचारने वाला**- शकुनि, शकुनज़**
- शक्तिशाली, क्रोधी, चपल और योद्धा नायक – **धीरोद्दात**
- शंख के समान गले वाली नायिका – **काम्बुग्रीवा**
- व्यवस्था करने वाला – **व्यवस्थापक**
- व्यर्थ ही अधिक खर्च करने वाला – **अपव्ययी**
- व्यक्ति जिसका ज्ञान अपने ही स्थान तक सीमित हो **– कूपमंडूक**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- वैश्य (पिता) और शूद्र विवाहिता से उत्पन्न पुत्र – **सूचिक पुत्र**
- वेद-वेदांग पढ़ाने वाला – **उपाध्याय**
- वृष्टि का अभाव – **अनावृष्टि**
- वीणा है जिसके हाथ में वह देवी – **वीणापाणि**
- विहित प्रक्रिया द्वारा चुना गया – **निर्वाचित**
- विष्णु सम्बन्धी या उस सम्प्रदाय के नियमों पर चलने वाला अथवा विष्णु का उपासक – **वैष्णव**
- विशेष व्यक्ति से सम्बन्धित (जीवन, कार्य-व्यवहार) – **व्यक्तिमूलक, व्यक्तिगत**
- विशेष आदेश जो किसी निश्चित अवधि तक लागू हो – **अध्यादेश**
- विवाहित पत्नी से उत्पन्न पुत्र – **औरस**
- विवाह के बाद स्त्री को पतिकुल से मिलने वाल धन – **अन्वाधेय**
- विवाह के पश्चात बहू का दूसरी बार ससुराल आना – **द्विरागमन**
- विवाद या गुटबाजी से अलग रहने वाला **– तटस्थ**
- विरोध करने वाला या विरुद्ध पड़ने वाला – **विरोधी**
- विभिन्न वस्तुओं का प्रदर्शन – **प्रदर्शनी**
- विभिन्न भाषाएं बोलने वाला **– बहुभाषी**
- विभिन्न प्रकार के विवादों में फँसा हुआ – **विवादास्पद**
- विद्या पढ़ने वाला – **विद्यार्थी**
- विदेश का या विदेश में रहने वाला – **वैदेशिक,विदेशी**
- वास्तविक मूल्य से अधिक लिया जाने वाला शुल्क – **अधिशुल्क**
- वापस बुलाया हुआ – **प्रत्याहूत**
- वाक्पटु या वाक्चतुर **– वाग्विदग्ध**
- वह स्थिति जब मुद्रा का मूल्य गिर रहा हो – **मुद्रास्फीति**
- वह स्थान जहाँ स्थायी महत्व की वस्तुओं का संग्रह हो – **संग्रहालय**
- वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी को नियंत्रित किया गया हो **– वातानुकूलित**
- वह स्थान जहाँ तोपें और बारूद आदि रखा रहता है – **तोपखाना**
- वह स्त्री जो विद्वान हो - **विदुषी**
- वह स्त्री जिसके मूँछ-दाढ़ी निकली हो **– ऋषभी**
- वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले – **अध्यूढ़ा**
- वह स्त्री जिस पर स्वामी का प्रेम न हो **– दुर्भगा**
- वह सामग्री जो वधू अपने पिता के घर से लेकर आयी हो – **अन्वायन**
- वह शास्त्र जिसमें यन्त्रों के बनाने, चलाने और सुधारने का विवेचन होता है – **यान्त्रिकी**
- वह शासन प्रणाली जिसमें जन-साधारण का शासन हो – **प्रजातन्त्र**
- वह शासन प्रणाली जो लोक द्वारा,लोक (जनता) के लिए निश्चित होती है **– लोकतन्त्र**
- वह व्यक्ति जो लोगों का मनोरंजन करता है – **विदूषक**
- वह व्यक्ति जो लकड़ियाँ काटकर आपना रोजगार चलाता है – **लकड़हारा**
- वह व्यक्ति जो दूसरों के घरों में फूट डालता हो – **घरफोड़ा**
- वह व्यक्ति जो ठीक समय पर, या तत्क्षण किसी बात या युक्ति को सोच ले –**प्रत्युत्पन्नमति**
- वह व्यक्ति जो क्रेता और विक्रेता के बीच में पड़कर सौदा पक्का करता है – **दलाल/बिचौलिया**
- वह व्यक्ति जो अपने ऋणों को चुकता करने में असमर्थ हो गया हो – **दिवालिया**
- वह विवाहिता जिसकी बड़ी बहन अविवाहित हो – **अग्रेदिधिषू**
- वह वस्तु जिसमें बाण रखे जाएँ – **तूणीर**
- वह वस्तु जिसके आर-पार न देखा जा सके **अपारदर्शी**
- वह वस्तु जिसका उत्पादन हुआ हो **– उत्पाद**
- वह लड़की जिसका विवाह होने को है – **वैवाहिकी**
- वह रोग जिसमें अन्य जगहों पर फैलने की प्रवृत्ति हो **– संक्रामक**
- वह यान जो जल में चलता है – **जलयान**
- वह यन्त्र जो छोटी चीज को बड़ा करके दिखाता है – **अणुवीक्षण**
- वह मास जो चन्द्रमा की गति के अनुसार गिना जाता है – **चन्द्रमास**
- वह भूमि जो पहले न जोती गई हो – **अकृष्टपूर्वा**
- वह बात या कथा जो जन साधारण में प्रचलित हो – **किंवदंती**
- वह बात जो न सुनी गई हो –**अनसुनी**
- वह बात जो आकाश से सुनाई पड़ने वाली समझी जाती है – **आकाशवाणी**
- वह फूल जो सूंघा गया हो – **आघ्रात**
- वह फूल जो पूरा न खिला हो – **मुकुलित**

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- वह फूल जो पूरा खिला हो – **निमीलित**
- वह फूल जो न सूंघा गया हो – **अनाघ्रात**
- वह फूल जो खिला न हो – **कली**
- वह फूल जो खिलने जा रहा हो – **मुकुल**
- वह फूल जो आधा खिला हो – **अर्द्धनिमीलित**
- वह प्रभाव जो भूतकाल की तिथि से लागू हुआ हो – **भूतप्रभावी, भूतलक्षी**
- वह पुरुष जो कविता या काव्य की रचना करता है – **कवि**
- वह पुरुष जिसमें पौरुष का अभाव हो**–'स्त्रैण'**
- वह पात्र जिसमें शोभा के लिए फूल लगाकर रखे जाते हैं – **फूलदान**
- वह पत्र जिसमें किसी को कोई काम करने का अधिकार दिया जाय – **अधिपत्र**
- वह नायिका जो लुक-छिप कर प्रेमी से मिलने जाये – **अभिसारिका**
- वह नायिका जो खुलआम प्रेमी से मिलने जाये – **सुसारिका**
- वह नायिका जो कृष्ण पक्ष में अपने प्रेमी से मिलने जाती है – **कृष्णाभिसारिका**
- वह नायिका जिसे अपने प्रिय का चिंतन औऱ ध्यान करना ही अच्छा लगता हो – **रतिप्रीता**
- वह नायिका जिसे अपने पति का प्रेम मिला हो – **सुभगा**
- वह नायिका जिसे अपने पति का प्रेम न मिला हो – **दुर्भगा**
- वह नायिका जिसका पति विदेश जान वाला हो – **प्रवत्यपतिका**
- वह नायिका जिसका पति परदेश से लौटा हो – **आगतपतिका**
- वह नायिका जिसका पति परदेश से आने वाला हो – **आगमिस्यतपतिका**
- वह नायिका जिसका पति परदेश में हो – **प्रोषितपतिका**
- वह धन जो आधिकारिक रूप से राज्य को मिलता हो – **राजस्व**
- वह जो साँप पकड़कर पालता और तमाशे दिखाता है – **सपेरा**
- वह जो शिव सम्बन्धी या शिव सम्प्रदाय के नियमों का पालन करता हो – **शैव**
- वह जो शक्ति या देवी की उपासना करता है – **शाक्त**
- वह जो विद्यार्थियों को पढ़ाने कार्य करता है – **अध्यापक**
- वह जो बराबर तपस्या करता है – **तपस्वी**
- वह जो पृथ्वी को धारण करता हो – **धरनीधर**
- वह जो पढ़ता हो – **पाठक**
- वह जो दूसरे देशों से वस्तुओं का आयात करता हो – **आयातक**
- वह जो दिव्य आँख से देखता हो – **दिव्यद्रष्टा**
- वह जो छुटकारा दिलाता है – **त्रात**
- वह जो केवल अन्न, फल, शाक, सब्जी खाता हो – **शाकाहारी**
- वह जो किसी के विरुद्ध वाद (मुकदमा) पेश करे – **वादी**
- वह जो किसी की या किसी स्थान में शरण चाहता हो – **शरणार्थी**
- वह जो आत्मा की ओर देखता हो – **आत्मद्रष्टा**
- वह जो अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहे – **दृढ़प्रतिज्ञ**
- वह जिसे किसी ने कुछ पढ़ाया या सिखाया हो – **शिष्य**
- वह जिससे प्रेम किया जाए – **प्रेमपात्र**
- वह जिसके पास सम्पत्ति या अधिकार सौंपा गया हो - **हस्तांतरित**
- वह जिसके ऊपर शासन हो – **शासित**
- वह जिसका कोई शत्रु न हो – **अजातशत्रु**
- वह जिसका आदि-अंत हो – **आद्यान्त**
- वह जिसका आदि-अंत न हो – **आद्यान्तेत्तर**
- वह जिसका आदि न हो – **अनादि**
- वह जिसका अंत न हो – **अनन्त**
- वह चातुर्य जो हाथ से किया जाए – **हस्तलाघव**
- वह गाँव या शहर जहाँ नाना का घर हो – **ननिहाल**
- वह क्लर्क जो आशुलिपि (शार्टहैंड) जानता है – **आशुलिपिक**
- वह काव्य जिसका अभिनय किया जाए – **रूपक**
- वह कार्य जो बिना वेतन के किया जाए – **अवैतनिक**
- वह कवि जो तत्क्षण कविता कर सके – **आशुकवि**
- वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है**– 'वाग्दत्ता'**
- वह (रोग) जिसका ठीक होना कठिन हो – **असाध्य**
- वस्तुओं की बिक्री करने वाला – **विक्रेता**
- वसुदेव के पुत्र – **वासुदेव**
- वसंत पंचमी के दिन मनाया जाने वाला उत्सव – **वसंतोत्सव**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- वर्ष में एक बार होने वाला – **वार्षिक**
- वर्ण व्यवस्था के अनुसार रक्षा-कर्म करने वाली जाति – **क्षत्रिय**
- वरदान देने वाला – **वरदाता**
- वनस्पति का आहार करने वाला – **वनस्प्याहारी**
- वन में लगने वाली अग्नि **– दावाग्नि**
- वंश में उत्पन्न व्यक्ति – **वंशज**
- लौटकर आया हुआ – **प्रत्यावर्ती**
- लोभ करने वाला – **लोलुप**
- भौहों के बीच का ऊपरी भाग – **त्रिकुटी**
- भोजन की इच्छा करने वाला – **जिघत्सु/बुभुक्षा**
- भूतों का ईश्वर – **भूतेश**
- भूत, भविष्य एवं वर्तमान को देखने वाला – **त्रिकालदर्शी**
- भूगोल से संबंधित या भूगोल का – **भौगोलिक**
- भूगर्भ विज्ञान का जानकार **– भूगर्भवेत्ता, भूगर्भशास्त्री**
- भूख से व्याकुल – **क्षुधातुर**
- भारतीय दर्शन में छः प्रमुख दार्शनिक विचार – **षड्दर्शन/षट्शास्त्र**
- भले-बुरे की पहचान करने का ज्ञान - **विवेक**
- भली-भाँति पोषित या पक्का किया हुआ – **परिपुष्ट**
- भला या हित चाहने वाला – **हितैषी**
- भय-शोकादि के कारण कर्त्तव्य ज्ञान रहित – **किंकर्तव्य-विमूढ़**
- भय, भूख-प्यास से घबराया हुआ – **कातर**
- भय उत्पन्न करने वाला –**भयानक**
- भगवान शिव द्वारा बजाया जाने वाला वाद्य – **डमरू**
- भगवान के सहारे अनिश्चित आय – **आकाशवृत्ति**
- ब्राह्मण (पिता) और शूद्र विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र – **पारशव**
- ब्याज का वह प्रकार जिसमें मूल के ब्याज पर भी ब्याज लगता है – **चक्रवृद्धि ब्याज**
- बौद्ध धर्म के तीन अंग (बुद्ध, संघ, धम्म) – **त्रिरत्न**
- बोलने वाला **– वक्ता**
- बोझा लादने वाला छोटा घोड़ा – **टट्टू**
- बेलों आदि से घिरा हुआ सुरम्य स्थान – **कुंज**
- बेटी का पति – **जामाता**
- बुरे आचरण/चरित्र वाला – **दुश्चरित्र**
- बुरी संगत में रहने वाला – **कुसंगी**
- बुरी लत/स्वभाव/आदत वाला – **दुर्व्यसनी**
- बुद्धि द्वारा ग्रहण किये जाने योग्य – **बुद्धिग्राह्य**
- बिना हल जोते उगने वाली फसल – **अकृष्टपच्या**
- बिना पलक गिराये – **अनिमेष, अपलक**
- बिना आयास (परिश्रम) के – **अनायास**
- बिना अधिकार पराई वस्तु काम में लाने वाला – **परिभोक्ता**
- बिजली की तरह तीव्र वेग वाला – **विद्युत-वेग**
- बिगड़ा हुआ शब्द – **अपभ्रंश**
- बाहर आया हुआ या निकला हुआ **– बहिर्गत**
- बालुकामय प्रदेश के बीच पाये जाने वाले हरे भाग – **नखलिस्तान**
- बालुकामय प्रदेश – **मरुभूमि**
- बालक से वृद्ध तक – **आबालवृद्ध**
- बारह से चौदह वर्ष के बीच की नायिका – **किशोरी**
- बारह वर्ष से कम उम्र की नायिका – **कुमारी**
- बार-बार होने का भाव/सतत सेवन – **आसेवन**
- बायें हाथ से काम करने वाला – **सव्यसाची**
- बहुत से रूप धारण करने वाला – **बहुरूपिया**
- बहुत सी भाषाओं से संबद्ध **– बहुभाषिक**
- बहुत सी भाषाओं को बोलने वाला – **बहुभाषा-भाषी**
- बहुत सी भाषाओं को जानने वाला **– बहुभाषाविद्**
- बहुत सी घटनाओं का सिलसिला – **घटनावली**
- बहुत प्रचण्ड, चंचल और आत्मश्लाघा से मुक्त नायक – **धीरोद्दात**
- बहुत पढ़ी-लिखी स्त्री – **सुशिक्षिता**
- बहुत देने वाला (मनमाने ढंग से अत्यन्त उदारतापूर्वक दान करने वाला) – **औढरदानी**
- बहुत दिनों तक स्मरण रखने योग्य – **स्मरणीय**
- बहुत गप्पें हाँकने वाला – **गपोड़िया**
- बहुत आगे बढ़ जाने की आकांक्षा – **उच्चाकांक्षा**
- बहुत अधिक, हद से ज्यादा – **अत्यंत**
- बरसात के चार महीने – **चौमासा**
- बनावटी वेश धारण करने वाला – **छद्मी**
- बनावटी वेश अथवा रूप – **छद्म**
- बढ़ा-चढ़ा कर कहना – **अतिशयोक्ति**
- बड़े-बड़े खम्भों में लोहे के रस्से बाँधकर बनाया गया मार्ग – **रज्जुमार्ग**
- बड़े भाई से पहले छोटे भाई का विवाह – **अनुवेश**
- बड़े दाम का – **बहुमूल्य**
- बड़ा व्यापारी या धनाढ्य महाजन – **साहूकार**
- बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत - **लोरी**
- बच्चों के जन्म पर गाया जाने वाला गीत – **सोहर**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- बच्चा जनने वाली स्त्री – **प्रसूता**
- बचपन और जवानी की उम्र के बीच की संधि – **वयःसंधि**
- बगल के घर में रहने वाला, पड़ोसी – **अनुवेश्य, प्रतिवेशी**
- फूलों की रज – **पराग**
- फूलों का मधु – **मकरन्द**
- फूल जो अभी खिला न हो – **कली**
- फलने वाला या फल (ठीक परिणाम) देने वाला – **फलदायी**
- फल को इस प्रकार रखना कि वह सड़ने-गलने न पाये**- फल-परिरक्षण**
- फल की आकांक्षा वाला – **फलासक्त**
- फटा-पुराना कपड़ा – **चिरकुट**
- प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री **– प्रियंवदा**
- प्रार्थना करने वाला व्यक्ति – **प्रार्थी**
- प्रारम्भ से लेकर अन्त तक – **आद्योपान्त**
- प्रायः वर्षा ऋतु में आकाश में दिखायी देने वाले सात रंगों वाले धनुष – **इन्द्रधनुष**
- प्राणों पर संकट लाने वाला – **सांघांतिक**
- प्राणियों के पेट की वह थैली जिसमें भोजन पचता है – **आमाशय**
- प्राण की रक्षा करने वाला – **प्राणद**
- प्राण (श्वास-प्रश्वास) की गति का क्रमशः दमन – **प्राणायाम**
- प्राचीन आदर्श के अनुकूल चलने वाला– **गतानुगतिक**
- प्रश्न के रूप में पूछे जाने योग्य – **प्रष्टव्य**
- प्रयोग में लाने योग्य – **प्रयोजनीय**
- प्रमाण या सबूत का अभाव – **अप्रामाण्य**
- प्रत्येक पदार्थ को क्षणिक और नश्वर मानने वाला सिद्धान्त – **अनित्यवादी**
- प्रतिवर्ष दी जाने वाली वृत्ति या अनुदान – **वार्षिकी**
- प्रतिदिन होने वाला – **दैनिक**
- प्रतिकार की भावना – **प्रतिचिकीर्षा**
- प्रकृत से उद्भूत या प्रकृति में होने वाला – **प्राकृतिक**
- प्रकाश में लाये जाने वाला – **प्रकाशकीय**
- पैर से मस्तक तक – **आपादमस्तक**
- पैर से पीने वाला **– पादप**
- पैर के अंगूठे में पहने जाने वाला आभूषण – **अनोट**
- पैतृक सम्पत्ति के रूप में प्राप्त दास – **दायागत**
- पेट की अग्नि – **जठराग्नि/जठरानल**
- पेट का दास-**उदर दास**
- पृथ्वी से सम्बन्धित या मिट्टी का बना हुआ – **पार्थिव**
- पृथ्वी पर लेटा हुआ – **धराशायी**
- पृथ्वी का वह भाग जो दूर तक समुद्र में चला गया हो – **अंतरीप**
- पृथ्वी और सूर्यादि लोकों / ग्रहों के मध्य का स्थान - **अंतरिक्ष**
- पूर्व में कही गयी बात को दुबारा कहना – **द्विरुक्ति**
- पूर्व जन्म में किये हुए कर्मों का फल – **कर्मविपाक**
- पूर्व की बात को पुनः कहना – **पुनरुक्ति**
- पूर्ण रूप से पका हुआ या पचा हुआ – **परिपक्व**
- पूरे जीवन में – **आजीवन**
- पूरब और उत्तर के बीच की दिशा – **ईशानकोण**
- पूजा या यज्ञ की इच्छा रखने वाला – **यियक्षु**
- पुस्तक या लेखन की हस्तलिखित प्रति – **पाण्डुलिपि**
- पुस्तक के अंत में जोड़ा गया अंश – **उंडुक, परिशिष्ट**
- पुस्तक की हाथ से लिखी प्रति – **पाण्डुलिपि**
- पुलिस या सेना में नया भर्ती जवान – **रंगरूट**
- पुलिस थाने का प्रधान अधिकारी – **थानेदार**
- पुलिस की बड़ी चौकी – **थाना**
- पुत्री का पुत्र – **दौहित्र**
- पुत्र-गुणों से युक्त समान वर्ण के बालक को पुत्र मान लें – **कृत्रिम पुत्र**
- पुत्र की पुत्री – **पौत्री**
- पुत्र का पुत्र – **पौत्र**
- पीछे चलने वाला, समान आचरण करने वाला, आज्ञाकारी, या जो किसी के बाद आये**- अनुगामी**
- पीछे चलने वाला नौकर, टहलुआ, सहचारी, साथी**- अनुचर**
- पितृसमवर्णी पुरूष द्वारा किसी कन्या से उत्पन्न पुत्र- **कानीन**
- पिता से प्राप्त की हुई सम्पत्ति – **पैतृक**
- पिता का पिता का पिता – **प्रपितामाह**
- पिता का पिता – **पितामह**
- पास में निवास करने वाला –**पड़ोसी/प्रतिवेशी**
- पापी व्यक्ति - **पातकी**
- पापाचारी अथवा षड्यन्त्रकारी मनुष्य (दुर्योधन का मामा) **– शकुनि**
- पाप के बदले मिलने वाला दुःख – **अजाब**
- पानी में डूबकर चलने वाली नाव – **पनडुब्बी**
- पाचन क्रिया करने वाली अग्नि का मंद हो जाना**– मंदाग्नि**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- पांचाल प्रदेश की राजकुमारी – **पांचाली**
- पसीने से उत्पन्न होने वाला – **स्वेदज**
- पशुओं का सा या पशुओं के आचरण जैसा – **पाशविक**
- पर्वत के पाद प्रदेश से लगा हुआ क्षेत्र – **तराई**
- पर्वत के नीचे की समतल भूमि – **उपत्यका**
- पर्वत के ऊपर की समतल भूमि – **अधित्यका**
- पर्वत की कन्या – **पार्वती**
- पर्वत आदि की ऊँचाई का पता लगाने वाला अभियान दल – **पर्वतारोही दल**
- परित्यक्ता अथवा विधवा स्त्री द्वारा स्वेच्छा से अन्य पुरुष से विवाहोपरान्त उत्पन्न पुत्र – **पौनर्भव पुत्र**
- परित्यक्त/विधवा नायिका जो अन्य पुरूष से विवाह करे – **पुनर्भू**
- परलोक से सम्बन्धित – **पारलौकिक**
- परम्परा से सुनी हुई बात – **अनुश्रुति**
- परम्परा से सुना हुआ – **आनुश्राविक**
- परम्परा से सम्बन्धित बात – **पारम्परिक**
- परम्परा से कही हुई बात या उक्ति – **अनुश्रुत**
- परम्परा से आई हुई बात – **परम्परागत**
- परपुरूष से प्रेम करने वाली विवाहित नायिका – **परकीया**
- पद, वय आदि के विचार से औरों की अपेक्षा छोटा – **कनिष्ठ**
- पद का लालची – **पदलोलुप**
- पत्थर के समान हृदय –**पाषाण हृदय**
- पत्ते की बनी हुई कुटी – **पर्णकुटी**
- पति/नायक का अपमान कर पीछे पछताने वाली नायिका – **कलहांतरिता**
- पति या पत्नी के पिता का घर – **ससुराल**
- पति परायण स्त्री/अपने पति के प्रति अनुराग रखने वाली – **पतिव्रता**
- पति के द्वारा छोड़ दी गयी स्त्री – **परित्यक्ता**
- पति के छोटे भाई की पत्नी – **देवरानी**
- पति का बड़ा भाई – **जेठ**
- पतली कमर वाली नायिका **– तन्वी**
- पढ़ने की सामग्री – **पाठ्य-सामग्री**
- पचाने की क्रिया करने वाला – **पाचक**
- पखवारे में एक बार होने वाला – **पाक्षिक**
- न्यायालय का वकील **– अधिवक्ता**
- नीले रंग का कमल – **नीलोत्पल**
- नीति का ज्ञान रखने वाला – **नीतिज्ञ**
- नीचे की ओर लाना या खींचना – **अपकर्ष**
- नीचे की ओर मुख किये हुए – **अधोमुख**
- नीचे की ओर आना या जाना – **उतरना**
- नीच जाति का व्यक्ति – **अंतावसायी**
- निशा (रात्री) में विचरण करने वाला – **निशाचर**
- निर्णय करने वाला – **निर्णायक**
- निराश या पराभूत किया हुआ – **प्रतिहत**
- निरन्तर ऊँचे उठने की इच्छा – **उदीषा**
- नियोग/समरक्त सम्बन्धी से उत्पन्न पुत्र – **क्षेत्रज पुत्र**
- नियम विरुद्ध या निंदनीय कार्य करने वालों की सूची – **काली-सूची**
- नाक से बाहर निकलने वाली साँस – **निःश्वास**
- नष्ट होने वाला – **नश्वर**
- नष्ट न होने वाला – **अनश्वर**
- नवीन बनाने की क्रिया – **आधुनिकीकरण**
- नरक से सम्बन्धित या नरक में रहने वाला – **नारकीय**
- नये बनवाये घर में पहले-पहल होने वाला प्रवेश – **गृहप्रवेश**
- नया उदित होने वाला – **नवोदित**
- नभ से उत्पन्न होने वाला – **नभोत्पन्न**
- नगर में रहने वाला - **नागरिक**
- नख से शिख तक के सब अंग – **नखशिख**
- न हो सकने वाला – **अशक्य**
- न बहुत ठंडा न बहुत गर्म – **समशीतोष्ण**
- न घबराने वाला व्यक्ति – **अकातर**
- न करने योग्य/न किया जा सके – **अकरणीय**
- ध्यान या विचार करने वाला – **ध्याता**
- धार्मिक सिद्धान्तों के अनुसार आचरण करने वाला या धर्म में रुचि रखने वाला – **धर्मात्मा (धर्माचारी)**
- धारण करने वाली – **धारयित्री**
- धारण करने वाला – **धारक / धारयिता**
- धारण करने में समर्थ – **धारविष्णु**
- धारण करने में कठिन **– दुर्वह**
- धर्म-पत्नी से उत्पन्न पुत्र – **औरस**
- धरती और आकाश के बीच का स्थान – **अंतरिक्ष**
- धनुष धारण करने वाला – **धनुर्धर**
- धनुष की प्रत्यंचा से उत्पन्न ध्वनि – **टंकार/धनुषाटंकार**
- धन से सम्बन्ध रखने वाला – **आर्थिक**
- धन देने वाली – **धनदा**
- धन देने वाला – **धनद**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- धन का देवता – **कुबेर**
- दोपहर से पूर्व का समय – **पूर्वाह्न**
- दोपहर के बाद का समय – **अपराह्न**
- दोपहर का समय - **मध्याह्न**
- दो से अधिक पर्वतों के बीच का स्थान – **घाटी**
- दो वेदों को जानने वाला – **द्विवेदी**
- दो वर्णों का मेल – **संधि**
- दो या दो से अधिक शब्दों/पदों का योग – **समास**
- दो मकानों के बीच की गली – **अंतरिका**
- दो भिन्न भाषा-भाषियों के बीच मध्यस्थता करने वाला – **द्विभाषिया**
- दो भाषाएँ बोलने वाला – **द्विभाषी**
- दो पर्वतों के बीच का स्थान – **द्रोण**
- दो पक्षों के मध्य भाषाओं को समझाने में भूमिका निभाने वाला **– दुभाषिया**
- दो धाराओं या नदियों के मिलन का स्थान – **संगम**
- दो दिशाओं के बीच का कोना – **विदिश्, विदिक्**
- देश से बाहर माल भेजना – **निर्यात**
- देश से बाहर निकाले जाने की प्रक्रिया – **निर्वासन**
- देवता अथवा भूतादि के द्वारा प्राप्त दुःख – **आधिदैविक**
- देने की इच्छा – **दित्सा**
- देखने की इच्छा – **दिदृक्षा**
- दूसरों को जान से मार डालने वाला – **हत्यारा**
- दूसरों के कार्य में विघ्न डालने वाला – **विघ्नकर, विघ्नकर्ता**
- दूसरों की उन्नति को न देख सकना - ईर्ष्या
- दूसरों का भला करना – **परमार्थ, परोपकार**
- दूसरों का दुःख देखकर हृदय भर जाना – **करुणा**
- दूसरों का उपकार करने वाला – **परोपकारी**
- दूसरो को उपदेश देने वाला – **परोपदेशक**
- दूसरे या विरोधी पक्ष में रहने वाला/ प्रतिकूल पक्ष का – **प्रतिपक्षी**
- दूसरे देश में अपने राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाला – **राजदूत**
- दूसरे के सुख के लिए आत्म सुख का त्यागना – **आत्मोत्सर्ग**
- दूसरे की बुराई खोजने वाला – **परिछिद्रान्वेषी**
- दूर तक फैलने वाली अत्याधिक नाशक आग – **अग्निकांड**
- दूध, दही, घृत, शर्करा, मधु, मिश्रित वह पदार्थ जो देवताओं और भगवान को स्नान हेतु बनाया जाता है **– पंचामृत**
- दुष्ट उद्देश्य से की जाने वाली संधि/मंत्रणा या साजिश – **दुरभिसंधि**
- दुर्गुमो/प्रतिपक्ष का नेतृत्व करने वाली नायिका – **खलनायिका**
- दुराचारिणी स्त्री – **कुलटा**
- दुधारू पशुओं का स्तन – **थन**
- दुःख, कष्ट आदि सहन कर लेने की शक्ति- **तितिक्षा**
- दीवार पर बने हुए चित्र – **भित्तिचित्र**
- दीन-दुखियों को भोजन देने की व्यवस्था – **सदावर्त**
- दिल खोलकर कहना या गाना – **मुक्तकण्ठ**
- दिल खोलकर (खुले हाथ) खर्च करने वाला – **मुक्तहस्त**
- दिन में कम दिखायी देने वाला रोग – **दिनौंधी**
- दिन भर का कार्य – **दिनचर्या**
- दिन के समय अपने प्रिय से मिलने जाने वाली नायिका – **दिवाभिसारिका**
- दान में प्राप्त हुआ दास – **लब्ध**
- दस से पन्द्रह साल की लड़की – **किशोरी**
- दस साल की कुमारी – **कन्या**
- दण्ड के परिणाम स्वरूप बनाया गया दास – **दण्डप्रणीत**
- थोड़ी जगह में अधिक आदमियों या वस्तुओं का जमाव – **घिचपिच**
- थोड़ा और नपा-तुला भोजन करने वाला – मिताहारी
- तैरने या पार होने का इच्छुक**- तितीर्षु**
- तैरकर पार होने की इच्छा रखने वाला – **तितीर्षु**
- तुरन्त उत्पन्न होने वाली सूझ-बूझ – **प्रत्युपन्नमति**
- तीनों लोकों का समाहार **– त्रिलोकी**
- तीनों प्रकार का ताप या कष्ट (दैहिक, दैविक, भौतिक) – **त्रिताप**
- तीनों दोष (वात, पित्त, कफ) – **त्रिदोष**
- तीनों गुण (सत्त्व, रज, तम) – **त्रिगुण**
- तीन वेदो को जानने वाला – **त्रिवेदी**
- तीन लोक (आकाश, पृथ्वी, पाताल) – **त्रिलोक (त्रिभुवन)**
- तीन युगों में होने वाला – **त्रियुगी**
- तीन फलों (आँवला, हर्रा, बहेड़ा) का मिश्रण – **त्रिफला**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- तीन नदियों (गंगा, यमुना, सरस्वती) का संगम – **त्रिवेणी/संगम**
- तिलक लगाने में प्रयुक्त अखण्डित चावल (जो क्षत न हुए हो)**- अक्षत**
- तालाब में खिला हुआ कमल – **सरसिज**
- तारों भरी रात – **विभावरी**
- तांत्रिक जो अपने हाथ में कपाल (खोपड़ी) लिये रहते हैं – **कापालिक**
- तलाक या पति की मृत्यु के बाद वह काल जिसमें मुसलमान स्त्री पुनर्विवाह नही कर सकती – **इद्यत**
- तर्क के बिना मान लिया गया विश्वास **– अंधविश्वास**
- तर्क के द्वारा जो माना गया हो – **तर्कसम्मत**
- ठीक अपने क्रम में आया हुआ – **क्रमागत**
- टाइप करने की कला – **टंकण**
- झूठा (मिथ्या) बोलने वाला **– मिथ्यावादी**
- झूठ बोलने वाला **– झूठा**
- झगड़ा लगाने वाले मनुष्य की उपमा **– नारद**
- झगड़ा करने वाला – **झगड़ालू**
- ज्ञान नेत्र से देखने वाला अंधा व्यक्ति – **ज्ञानचक्षु**
- ज्ञान को अर्जन करने वाला **– ज्ञानार्थी**
- ज्ञान की महत्ता – **ज्ञान-गरिमा**
- जो होने को हो या होकर रहे – **होनहार, होना**
- जो हिसाब-किताब की जाँच करता हो – **अंकेक्षक**
- जो हाथ से लिखा गया हो – **हस्तलिखित**
- जो हमेशा रहने वाला है – **शाश्वत/सर्वयुगानुकूल**
- जो स्वर्ग सिधार गया हो – **स्वर्गीय**
- जो स्वयं भोजन बनाकर खाता हो – **स्वयंपाकी**
- जो स्वयं के ऊपर घात करता है – **आत्मघाती**
- जो स्मरण करने योग्य हो – **स्मरणीय**
- जो स्त्री सूर्य भी न देख सके – **असूर्यपश्या**
- जो स्त्री पति के लिए मर मिटे – **सती**
- जो स्त्री दुराचारिणी हो – **स्वैरिणी**
- जो स्त्री के वशीभूत है **–'स्त्रैण'**
- जो स्त्री कविता रचती है – **कवयित्री**
- जो स्त्री अभिनय करे – **अभिनेत्री**
- जो सूँघे जाने के योग्य हो या सूँघा जाने को हो – **आघ्रेय**
- जो सुनने योग्य हो – **श्रव्य**
- जो सुखःदुख से परे हो – **परमहंस**
- जो सुख देता हो – **सुखद**
- जो सीमित न हो – **असीमित**
- जो सीमा से परे हो – **सीमातीत**
- जो सिद्ध या पूरा किया जा सके – **साध्य**
- जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो – **अविधिक, अवैध**
- जो सव्य (बायें) हाथ से काम करता हो – **सव्यसाची**
- जो सर्वसाधारण के सामने न रखा गया हो – **अप्रकाशित**
- जो सर्वशक्ति सम्पन्न हो – **सर्वशक्तिमान**
- जो सर्वत्र व्याप्त हो – **सर्वव्यापी**
- जो सर्वज्ञ पुराण, उपनिषद शास्त्र का ज्ञान रखता हो **– सर्वज्ञानी**
- जो सरों में जन्मता हो – **सरसिज**
- जो समय पर न हो – **असामयिक**
- जो समझा न जा सके/जिसे बोध न हो – **अबोध**
- जो सभी को प्रिय हो – **सर्वप्रिय**
- जो सबसे छोटा न हो – **अकनिष्ठ**
- जो सबसे आगे रहता हो – **अग्रणी**
- जो सबको समान भाव से समझता देखता हो – **समदर्शी**
- जो सबको प्राप्त हो सके – **सर्व-सुलभ**
- जो सबके उपयोग के लिए हो – **सार्वजनिक**
- जो सबके अन्तःकरण की बात जानने वाला हो – **अन्तर्यामी**
- जो सब में व्याप्त हो – **विभु**
- जो सब कुछ जानता हो **– सर्वज्ञ**
- जो सब कुछ उदारता से देना जानता हो – **औदार्यदाता**
- जो सदैव हाथ में तलवार लिए रहता हो – **खड्गहस्त**
- जो सदा से चला आ रहा है – **अनवरत**
- जो संसार का संहार करता हो – **संहारक**
- जो संगीत का मर्मज्ञ हो – **संगीतज्ञ**
- जो शोक करने योग्य न हो – **अशोक्य**
- जो शुद्ध किया जा चुका हो – **परिमार्जित**
- जो शास्त्रों का ज्ञाता हो – **शास्त्रज्ञ**
- जो शराब का आदी हो – **मद्यप**
- जो शत्रुओं को हत् करता हो – **शत्रुहंता**
- जो शक्तिशाली हो - **शक्तिमान**
- जो शक्ति का उपासक हो – **शाक्त**
- जो व्याख्या करता हो – **व्याख्यता**
- जो व्याकरण को जानने वाला हो– **वैयाकरण, वैयाकरणिक**
- जो व्यवहार मे न लाया गया हो – **अव्यवहृत**
- जो व्यक्ति सांसारिक विषय भोग से रहित हो – **निरीह**
- जो व्यक्ति भाग्य पर विश्वास करे – **भाग्यवादी**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- जो व्यक्ति कटु बोलता है – **कटुभाषी**
- जो व्यक्ति अधिक बोलता हो – **वाचाल**
- जो वेतन लिए बिना कार्य करे – **अवैतनिक**
- जो वेतन पर काम करता हो – **वैतनिक**
- जो वृद्ध होने के कारण जर्जर हो गया हो – **जराजीर्ण**
- जो विहित प्रक्रिया द्वारा चुना गया हो – **निर्वाचित**
- जो विशेष जानता हो **– विशेषज्ञ**
- जो विभिन्न विषयों में आसक्त हो – **विषयासक्त**
- जो विधि या कानून के विरुद्ध है – **अवैध, गैरकानूनी**
- जो विधि की दृष्टि से ठीक हो – **वैध**
- जो विधान या नियम के विरुद्ध हो – **असंवैधानिक**
- जो विज्ञान के नियमों पर कार्य करता हो – **वैज्ञानिक**
- जो वस्तु दूसरे के यहाँ सुरक्षित रखी हो – **धरोहर**
- जो वस्तु एक ही स्थान पर रहे – **अचल**
- जो वश में न हुआ हो – **अनायत**
- जो वन्दना के योग्य हो – **वन्दनीय**
- जो वन्दना के योग्य न हो – **अवन्दनीय**
- जो लोक या संसार में न हो **– लोकोत्तर**
- जो रोग से मुक्त हो – **निरोग**
- जो रुका हुआ न हो **– अनिरुद्ध**
- जो युद्ध में स्थिर रहता हो – **युधिष्ठिर**
- जो मेघ के समान गरजता हो – **मेघनाद**
- जो मृत्यु के समीप हो –**मरणासन्न**
- जो मुश्किल से प्राप्त हो **– दुष्प्राप्य**
- जो मुरझाया हुआ या उदास न हो – **अम्लान**
- जो मुकदमें का बचाव कर रहा हो – **प्रतिवादी**
- जो मार्ग पार करने में दुःखमय प्रतीत हो – **दुर्लंध्य**
- जो मानव के योग्य न हो – **अमानुषिक**
- जो मांस न खाता हो – **निरामिष**
- जो मस्ती / बल के गर्व में अन्धा हो – **मदान्ध**
- जो मर्यादा के अनुरूप हो – **मर्यादित**
- जो भेष बदलकर विकट या विलक्षण कार्य करता हो – **ऐयार**
- जो भेदा न जा सके – **अभेद्य**
- जो भूमि उपजाऊ हो – **उर्वरा**
- जो भू (भूमि) को धारण करता है – **भूधर**
- जो भारत में रहता हो – **भारतीय/भारतवासी**
- जो भविष्य में निश्चित रूप से होने को है – **भवितव्य**
- जो भविष्य के प्रति निराश हो – **निराशावादी**
- जो भविष्य के प्रति आशावान हो – **आशावादी**
- जो भवन गिर गया हो – **खण्डहर**
- जो भयभीत न होता हो – **निर्भय**
- जो भय से घबराया हुआ हो – **भयाकुल**
- जो बुद्धि द्वारा जाना जा सके – **बोधगम्य**
- जो बीत चुका हो – **अतीत**
- जो बालकों के लिए उपयोगी हो – **बालोपयोगी**
- जो बात वर्णन के परे (बाहर) हो – **वर्णनातीत**
- जो बात छिपाई जाए – **गोपनीय**
- जो बाँटा न गया हो – **अविभक्त**
- जो बहुत से विषयों का जानकार हो – **बहुज्ञ**
- जो बहुत भाषाएं जानता है – **बहुभाषाविद**
- जो बहुत दूर स्थित हो – **विदूर**
- जो बहुत कठिनाई से मिलता है –**दुर्लभ**
- जो बहुत कठिन (स्वभावतः) हो – **अतिदुर्धर्ष**
- जो बहुत आगे तक की बात सोचकर काम करता है – **अग्रसोची**
- जो बराबर न हो – **असम**
- जो बदला न जा सके – **अपरिवर्तनीय**
- जो बदलती हुई परिस्थितियों के अनुकूल अपने को बदल सके **– गतिशील, गत्यात्मक**
- जो बकवादी न हो **– अप्रगल्भ**
- जो प्रिय बोलता है – **प्रियवादी**
- जो प्राप्त न हो सके – **अप्राप्त**
- जो प्रशंसा के योग्य हो – **प्रशंसनीय**
- जो प्रशंसा के योग्य न हो – **अप्रशंसनीय / अप्रशस्त**
- जो प्रमाण से सिद्ध हो सके – **प्रमेय**
- जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके/जो तौला या नापा न जा सके- **अप्रमेय**
- जो प्रकाश में लाया गया हो – **प्रकाश्य, प्रकाशित**
- जो पृथ्वी से सम्बद्ध है **– पार्थिव**
- जो पुष्प पूर्ण रूप से विकसित न हुआ हो – **मुकुल**
- जो पुरुषार्थ के अनुरूप हो – **पौरुषेय**
- जो पुरुष अभिनय करे – **अभिनेता**
- जो पुरुष विद्या में पारंगत हो – **विद्वान**
- जो पुरुष लोहे की तरह बलिष्ठ हो – **लौह-पुरुष**
- जो पाप-पुण्य, हर्ष विषाद से मुक्त शुद्ध स्वभाव वाला हो – **केवलात्मा**
- जो पान करने योग्य नहीं है- **अपेय**
- जो पहाड़ को धारण करता हो – **गिरिधारी (श्रीकृष्ण)**
- जो पहले रहा हो/ जो पूर्व में था या हुआ था, पर अभी नहीं है – **भूतपूर्व**
- जो पहले न रहा हो – **अपूर्व**
- जो पहले न देखा गया हो – **अदृष्टपूर्व**

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- जो पहले न घटित हुआ हो – **अभूतपूर्व**
- जो पहले जन्मा हो**– अग्रज**
- जो पहले कभी नहीं सुना गया – **अश्रुतपूर्व, अनसुना**
- जो पहले कभी घटित न हुआ हो – **अघटित**
- जो पहरा देने वाला हो – **प्रहरी**
- जो पर्दे के भीतर रहे – **पर्दानशी**
- जो परीक्षा में पास हो गया हो – **उत्तीर्ण**
- जो परायों का हित चाहता हो **– परहितकारी**
- जो पदों अर्थात् काव्य के रूप में हो – **पद्य**
- जो पथ काँटों या बाधाओं से भरा हो – **कंटकाकीर्ण**
- जो पढ़ने में अनुकूल हो – **पठनीय**
- जो पढ़ना लिखना जानता हो/जिसे अक्षर ज्ञान हो – **साक्षर**
- जो नीतिवान हो – **नीतिज्ञ**
- जो नीतिज्ञ व चतुर हो – **विदुर**
- जो नीचे लिखा गया है – **निम्नलिखित**
- जो निष्फल न जाए – **अमोघ**
- जो निरंतर कई वर्षों से चलता रहे या होता रहे – **वर्षानुवर्ष**
- जो नियमानुकूल न हो – **अनियमित/नियमविरुद्ध**
- जो निन्दा के योग्य हो – **निन्दनीय**
- जो निन्दा के योग्य न हो – **अनिन्दनीय, अनिंद्य**
- जो नित्य प्रति नवीन रहे – **नितनूतन**
- जो नापा जा सके – **नापनीय, नाप्य**
- जो नहीं हो सकता – **असंभव**
- जो नया न हो – **अनूतन**
- किसी के साथ सम्बन्ध न रखने वाला – **निःसंग**
- किसी के बाद उसी संपत्ति या स्थान को ग्रहण करने वाला व्यक्ति **– उत्तराधिकारी**
- किसी के प्रेम या अनुराग में ढली स्त्री **– अनुरक्ता**
- किसी के पीछे प्रयुक्त होने वाला – **अनुषंगी**
- किसी के पीछे (विचारों के) चलने वाला – **अनुगामी/अनुयायी**
- किसी के पीछे (दास, भृत्य, नौकर) चलने वाला – **अनुचर**
- किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु **– धरोहर**
- किसी के परवर्ती काल में उसके पीछे जोड़ा गया अंश – **क्षेपक**
- किसी के घर की होने वाली तलाशी – **खानातलाशी**
- किसी के गुण-दोष की विवेचना करने वाला – **आलोचक**
- किसी के उपरांत उसके परिणामस्वरूप होने वाला**– अनुवर्ती**
- किसी के इर्द-गिर्द घेरा डालने की क्रिया – **घेराबंदी**
- किसी के अनिष्ट हेतु उपाय करना – **षड्यन्त्र**
- किसी की जमानत करने वाला – **प्रतिभू**
- किसी काम या व्यक्ति में छिद्रों, त्रुटियों व दोषों को ढुँढने का काम – **छिद्रान्वेषण**
- किसी काम या बात में अति करने वाला व्यक्ति – **अतिवादी**
- किसी काम में दूसरे से आगे बढ़ जाने की प्रबल इच्छा **– स्पर्द्धा**
- किसी काम को चित लगाकर करना/पूर्ण लगन से करना – **दत्तचित्त**
- किसी काम को करने या जानने की इच्छा – **चिकीर्षा**
- किसी काम को करने के लिए उत्तेजित करना – **प्रतोद**
- किसी कहे हुए श्लोक या पद्य के अंन्तिमाक्षर से प्रारम्भ होने वाला – अन्त्याक्षरी
- किसी कन्या को विवाह करने का वचन देने की रस्म– **वाग्दान**
- किसी कथा, बात या प्रसंग के अन्तर्गत आने वाली कोई दूसरी कथा या प्रसंग – **अन्तर्कथा**
- किसी कथन को बढ़ा-चढ़ा कर कहना – **अतिशयोक्ति**
- किसी और स्थान पर – **अन्यत्र**
- किसी एक पक्ष में सम्बन्ध रखने वाला – **एकपक्षीय**
- किसी आरोप के उत्तर में किया जाने वाला आरोप– **प्रत्यारोप**
- किसी आदरणीय का स्वागत करने के लिए चलकर कुछ आगे पहुँचना – **अगवानी**
- किसी अवधि से सम्बन्ध रखने वाला – **आवधिक**
- किसानों को सरकार या जमीदारों द्वारा दी गयी ऋण के रूप में आर्थिक सहायता – **तकावी**
- किराये पर चलने वाली मोटरगाड़ी – **टैक्सी**
- किये हुए पाप का दंडस्वरूप फल भोग – **प्रायश्चित**
- किये हुए परिश्रम के बदले में मिलने वाले धन – **पारिश्रमिक**
- किये गये उपकार को मानने वाला **– कृतज्ञ**
- किन्हीं निश्चित कार्यों के निर्वाह के लिए बनायी गयी समिति – **कार्यसमिति**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से किया गया वृत्त – **इतिवृत्त**
- कार्य में संलग्न रहने वाला – **कर्मठ, कार्यरत**
- कार्य करने वाला व्यक्ति – **कार्यकर्ता**
- कारागार से संबंध रखने वाला – **कारागारिक**
- काम को उत्तेजित करने वाला रुप – **कामरूप**
- काम के लिए अनुपयुक्त समय – **वृथासमय**
- कानून द्वारा प्राप्त – **विधि-प्रदत्त**
- कानून का रूप देने के लिए प्रस्तुत किया गया प्रस्ताव या मसौदा – **विधेयक**
- कान का नीचे लटकता हुआ कोमल भाग– **कर्णपाली**
- कही गई बात को बार-बार दुहराना – **पिष्टपेषण, पुनरुक्ति**
- कलावन्त और मृदुस्वभाव वाला नायक – **धीरललित**
- कर्मचारी आदि को छाँटकर निकाल देने का काम – **छँटनी**
- कर्म में बाधा डालने वाला – **कर्मोपघात**
- कर्ज चुकाने के लिए लिया जाने वाला कर्ज - **ऋणार्थ**
- करुण स्वर से चिल्लाना – **चीत्कार**
- कमल जैसे नयनों वाली नायिका – **आयतलोचना**
- कमल के समान आँखों वाली – **कमलनयनी**
- कमल के समान (सुन्दर) चरण – **चरणकमल**
- कमल की डण्डी – **मृणाल**
- कन्या के लिए माने जाने वाली दिशा – **दिग्कन्या**
- कनिष्ठा और मध्यमा के बीच की उँगली – **अनामिका**
- कठिनाई से पैसे निकालने वाला – **कृपण**
- कटा-फटा हुआ – **क्षत-विक्षत**
- कंधो के बीच का भाग, वक्षस्थल – **अंतरांस**
- ऐसी व्यवस्था करना कि बाहर के तापमान का प्रभाव भीतर न पड़े – **वातानुकूलन**
- ऐसी वस्तु जो पीने योग्य हो – **पेय**
- ऐसी बुद्धि जो ठीक समय पर, तत्क्षण किसी बात या युक्ति को सोच ले – **प्रत्युत्पन्नमति**
- ऐसी प्रशंसा जो निन्दा भाव पैदा करे – **अपस्तुति**
- ऐसी जीविका जो आकस्मिक हो – **तदर्थजीविका**
- ऐसी घटना जो अवश्य ही घटित हो – **होनी**
- ऐसी कन्या जिससे विवाह का वचन दिया गया हो- **वागदत्ता**
- ऐसा साहस जिससे कुछ लाभ न हो– **दुःसाहस**
- ऐसा शास्त्र जिसमें पृथ्वी के स्वरूप का वर्णन हो – **भूगोल**
- ऐसा व्रत जो मरने पर ही समाप्त हो – **आमरण व्रत**
- ऐसा वाक्य या पद्य जिसका उत्तर खोजना पड़े – **प्रहेलिका (पहेली)**
- ऐसा बोझा जिसे ढोना कठिन हो – **दुर्वह**
- ऐसा तर्क जो देखने पर ठीक प्रतीत होता हो, किन्तु वैसा न हो – **तर्काभास**
- ऐसा जो अन्दर से खाली हो – **खोखला**
- ऐसा ग्रहण जिससे सूर्य या चन्द्र का पूरा बिम्ब ढक जाए – **खग्रास**
- ऐसा ग्रहण जिसके सूर्य पूरा ढक जाए - **खग्रास**
- ऐसा काव्य जिसमें गद्य-पद्य का मिश्रण हो – **चम्पू**
- ऐसा अकाल कि भिक्षा देना/लेना भी कठिन हो– **दुर्भिक्ष**
- एक-एक अक्षर तक – **अक्षरशः**
- एक ही समय में होने वाले– **समसामयिक, समकालीन**
- एक ही जाति के - **सजातीय**
- एक स्थान पर केन्द्रित शक्तियों और अधिकारों को बाँट देना **– विकेन्द्रीकरण**
- एक से अधिक माताओं से पैदा हुए भाई – **अन्योदर**
- एक से अधिक बातों में से कोई एक – **विकल्प**
- एक से अधिक पत्नी रखने की प्रथा– **बहुपत्नीत्व प्रथा**
- एक व्यक्ति द्वारा चलायी जाने वाली शासन प्रणाली – **तानाशाही**
- एक व्यक्ति की शासन सत्ता की विचारधारा – **अधिनायकवाद**
- एक मतवाद, जिसमें जीवन की सच्चाई और कठिनाईयो से भागने की प्रवृत्ति हो – **पलायनवाद**
- एक प्रकार का गीत जो सबेरे गाया जाता है – **प्रभाती**
- एक देश द्वारा दूसरे देशों से वस्तुओ को मँगाया जाना– **आयात**
- एक दिन के अंतर से आने वाला ज्वर - **एकतरा**
- एक क्षुद्र रोग जिसमें चार-पाँच फुड़ियाँ पास-पास निकलती हों – **कच्छपिका**
- ऋषि-निर्मित अथवा कथित – **आर्ष**
- ऋषि का कहा हुआ वचन – **आर्षवचन**
- ऋण न चुकाने वाला **– नादिहंद**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- ऋण के बदले धरोहर के रूप में रखा गया दास – **अहितक**
- ऊपर चढ़ने वाला – **आरोही**
- ऊपर की ओर जाने वाला - **ऊर्ध्वगामी**
- ऊपर की ओर उछाला या फेंका हुआ – **उत्क्षिप्त**
- ऊपर कहा हुआ **– उपर्युक्त**
- ऊपर आने वाला श्वास – **उच्छ्वास**
- ऊँचे स्वर से उच्चारण किया हुआ – **उद्धोंचारित**
- उसी समय मे होनें वाला या रहने वाला – **समकालिक**
- उसी समय का – **तत्कालीन**
- उपहास के योग्य – **उपहासस्पद**
- उपपति (गैर-पुरूष) से उत्पन्न पुत्र – **जारज**
- उपनिषद् सम्बन्धी – **औपनिषदिक**
- उपनिवेशों का अपने अधीन रखने का सिद्धांत – **उपनिवेशवाद**
- उपनिवेश सम्बन्धी – **औपनिवेशिक**
- उपकार के प्रति किया गया उपकार/भलाई के बदले की गई भलाई – **प्रत्युपकार**
- उपकार करने वाला – **उपकारी**
- उद्योग से संबंधित – **औद्योगिक**
- उत्तराधिकारी बनाने के उद्देश्य से गोद लिया गया पुत्र– **दत्तक पुत्र**
- उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति - **रिक्थ**
- उत्तर द्वारा खण्डन करके कहा हुआ – **प्रत्युक्त**
- उच्चवर्गीय शासन – **सामन्तशाही**
- उच्च न्यायालय का न्यायाधीश – **न्यायमूर्ति**
- उचित आहार करने वाला – **युक्ताहार**
- ईर्ष्या या द्वेष से रहित – **अनसुइया**
- इस लोक से सम्बंध रखने वाला – **ऐहलौकिक, ऐहिक**
- इस लोक (संसार) से सम्बन्ध रखने वाला – **लौकिक**
- इमारत के लिए या इमारत से सम्बन्धित – **इमारती**
- इन्द्रियों को वश मे रखने वाला – **इन्द्रियाजित**
- इन्द्र को जीतने वाला – **इन्द्रजित**
- इन्द्र का हाथी/मद-मस्त हाथी – **मदांबर**
- इन्द्र का सफेद हाथी – **ऐरावत**
- इतिहास से सम्बन्ध रखने वाला – **ऐतिहासिक**
- इतिहास जानने वाला – **इतिहासज्ञ**
- इतिहास के युग से पूर्व का **– प्रागैतिहासिक**
- इतना ही पर्याप्त है – **इत्यलम**
- इच्छानुसार रूप धारण करने वाला **– इच्छाधारी**
- इंद्रियों से सम्बंधित – **ऐंद्रिक**
- आश्रय देने वाला – **आश्रयदाता**
- आश्रम में रहने वाला – **आश्रमवासी**
- आशा से अधिक – **आशातीत**
- आवश्यकता से न अधिक न कम – **काफी**
- आवश्यकता से अधिक धन का त्याग – **अपरिग्रह**
- आयोजन को करने वाला – **आयोजक**
- आय-व्यय, लेन-देन, का लेखा करने वाला – **लेखाकार/लेखपाल**
- आय से अधिक बेकार में खर्च करने वाला – **फिजूल खर्च**
- आभूषणों का निर्माण करने वाली एक व्यावसायिक जाति – **सुनार**
- आभार मानने वाला – **आभारी**
- आधे से अधिक लोगों को मिलाकर एक राय – **बहुमत**
- आदर्शमूलक भावना को प्रथम देने वाला मत – **आदर्शवाद**
- आदरपूर्वक सिर पर धारण करने या स्वीकार करने योग्य – **शिरोधार्य**
- आत्मा से सम्बन्ध रखने वाला – **आध्यात्मिक**
- आटा पीसने वाली स्त्री – **पिसनहारी**
- आगे घटित होने वाला – **भावी**
- आक्रमण करने वाला – **आक्रांता /आक्रामक**
- आकाश में फूल खिलने जैसी असम्भव बात – **आकाश कुसुम**
- आकाश में गमन करने वाला – **आकाशगामी**
- आकाश में उड़ने वाला जीव **– खग**
- आकाश में उड़ने वाला – **आकाशचारी, नभचर**
- आकाश मे विचरण करने वाला – **नभचर**
- आकाश चूमने वाला– **गगनचुम्बी, आकाशचुंबी, गगनस्पर्शी**
- आंतो में होने वाला – **आंत्रिक**
- आँख की बीमारी – **दृष्टिदोष**
- अहंकारपूर्वक अपने को सबसे बढ़कर समझना– **अहंमन्यता**
- असाधारण मेधा (बुद्धि) वाला - **मेधावी**
- अवसर के अनुरूप बदल जाने वाला – **अवसरवादी**
- अवश्य होने वाला – **अवश्यम्भावी**
- अलग-अलग अवयवों को एक में जोड़ना – **संश्लेषण**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- अर्द्धरात्रि का समय – **निशीथ**
- अर्थशास्त्र के अनुसार सेना के किसी एक अंग की अधिकता – **अन्वाय**
- अपराधों से सम्बन्धित – **आपराधिक**
- अपराध और उन पर दण्ड देने के नियम निर्धारित करने वाला ग्रन्थ – **दण्डसंहिता**
- अपने ही वश में रहने वाला – **स्ववश्य**
- अपने ही कुल का नाश करने वाला व्यक्ति – **कुलांगर**
- अपने सहारे पर रहने वाले' - **'स्वावलंबी'**
- अपने युग का बहुत बड़ा व्यक्ति – **युगपुरूष**
- अपने मन के भावों को गुप्त रखने वाला – **घुन्ना**
- अपने मन की प्रसन्नता के लिए – **स्वांतःसुखाय**
- अपने मन का अनुयायी - **आत्मभिमत**
- अपने मत को मानने वाला – **स्वमतावलम्बी**
- अपने भरोसे रहने वाला – **स्वावलम्बी**
- अपने बेटे की पत्नी – **पुत्रवधु**
- अपने पिता की हर तरह सेवा करने वाला – **पितृभक्त**
- अपने परिवार में विश्वासघात करने वाले तथा भेद देने वाला व्यक्ति **– विभीषण**
- अपने परिवार के साथ – **सपरिवार**
- अपने पद से हटाया हुआ – **पदच्युत**
- अपने दोष प्रकट करने वाला **– छिद्रात्मा**
- अपने देश से प्यार करने वाला – **देशभक्त**
- अपने देश के साथ विश्वसघात करने वाला – **देशद्रोही**
- अपने जीवन का स्वलिखित इतिहास – **आत्मकथा**
- अपने को धोखा देने वाला – **आत्मवंचक**
- अपने को धोखा देना – **आत्मवंचना**
- अपने आप को बेचने वाल दास – **आत्मविक्रयी**
- अपने आप को किसी के हाथ सौपना या समर्पित करना – **आत्मसमर्पण**
- अपने अंश या हिस्से के रूप में कुछ देना या किसी कार्य में योग देना – **अंशदान**
- अपनी ही इच्छानुसार पति का वरण करने वाली – **स्वयंवरा**
- अपनी शक्ति भर - **यथाशक्ति**
- अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला – **स्वयंसेवक**
- अपनी इच्छा के अनुसार सब काम करने वाला – **इच्छाधारी**
- अपनी इच्छा के अनुसार आचरण करने वाला – **स्वेच्छाचारी**
- अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट होने वाला व्यक्ति - **कृतार्थ**
- अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला – **अनन्य**
- अन्य भाषा में परिणत – **अनुवाद, रुपान्तरण**
- अन्य जाति के पिता द्वारा विवाहिता शूद्रा स्त्री से उत्पन्न पुत्र – **शौद्र पुत्र**
- अन्न की देवी – **अन्नपूर्णा**
- अनेक शब्दों/पदों को मिलाने की शैली – **सामासिक**
- अनेक धंधों से संबंध रखने वाला – **बहुधन्धी**
- अनुरक्ति न रहने की अवस्था या भाव – **विरक्ति**
- अनुमान द्वारा प्राप्त ज्ञान – **अनुमिति**
- अनुचित यौन सम्बन्ध रखने वाला – **व्यभिचारी**
- अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला **– दुराग्रही**
- अनुचित बात के लिए आग्रह – **दुराग्रह**
- अनाथ अथवा माता-पिता द्वारा अकारण त्याज्य बालक जिसने किसी को अपनी आत्मा से पितृ स्वीकार किया हो – **स्वयंदत्त पुत्र**
- अधिकारी जो अपने अधीन कार्य करने वाले कर्मचारियों की निगरानी रखे – **अधीक्षक**
- अधिकारपूर्वक कहा गया या किया गया – **आधिकारिक**
- अधिकार में आया हुआ, अधिकार प्राप्त – **अधिकृत**
- अधिक समय तक जीते रहने को इच्छुक **– जिजीविषु**
- अधिक समय तक जीते रहने की इच्छा– **जिजीविषा**
- अधिक बकवास करने वाला – **प्रगल्भ**
- अत्याचार करने वाला – **आततायी**
- अत्यधिक वृष्टि – **अतिवृष्टि**
- अतिथि सत्कार की भावना – **आतिथ्य**
- अतिथि की सेवा करने वाला – **आतिथेय**
- अज्ञात सजातीय वर्ण से उत्पन्न पुत्र – **गूढ़ज पुत्र**
- अच्छे आचरण वाला – **सदाचारी**
- अच्छी तरह समझकर कहने वाला, अथवा किसी संस्था या विभाग की ओर से आधिकारिक रूप में कोई बात कहने वाला **– प्रवक्ता**
- अग्रज के विवाह के पूर्व अनुज का विवाह – **अनुवेश**
- अग्नि से सम्बन्धित या आग का –**आग्नेय**
- अगुवा बनकर मार्ग दिखाने वाला – **पथ-प्रदर्शक**
- अगहन और पूस में पड़ने वाली ऋतु – **हेमन्त**
- अकस्मात् या एकाएक घटित होने वाला – **आकस्मिक**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- अकस्मात कहीं भी आकर छापा मारने वाला – **छापामार**
- अंतिम संस्कार की क्रिया – **अंत्येष्टि**
- अंत या नाश करने वाला **– अंतक**
- अंडे से जन्म लेने वाला – **अंडज**
- अंक (गोद) में सोने वाला – **अंकशायी**
- अँधेरी रातों वाला पखवारा – **कृष्णपक्ष**
- अँतिम (शूद्र) वर्ण से जो जन्मा हो – **अंत्यज**
- 'हाथी की पीठ पर रखा जाने वाला आसन - **हौदा**
- 'सवाल-जवाब', 'बहस-हुज्जत' या 'दिए गए उत्तर पर उत्तर'- **प्रत्युत्तर**
- जो नया आया हो – **नवागन्तुक**
- जो नभ में चलता है' - **खेचर**
- जो न जाना गया हो – **अज्ञात / अनवगत**
- जो न आया हो **– अनागत**
- जो धर्म और ईश्वर में विश्वास रखता हो – **आस्तिक**
- जो धरती फोड़कर जन्मता हो – **उद्‌भिज**
- जो द्वार की रक्षा करता है – **द्वारपाल**
- जो दो या अधिक भिन्न तत्वों या जातियों के संसर्ग से उत्पन्न हो – **संकर**
- जो दो बार जन्म लेता हो – **द्विज**
- जो देश-विदेश का भ्रमण करता हो – **पर्यटक**
- जो देवताओं के योग्य हो – **दिव्य**
- जो देखने योग्य हो **– द्रष्टव्य (दर्शनीय)**
- जो देखने योग्य न हो – **अदर्शनीय**
- जो देखने में प्रिय लगे – **प्रियदर्शी**
- जो देखने के योग्य हो – **दर्शनीय**
- जो दूसरों के अधीन हो – **पराधीन**
- जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो – **ईर्ष्यालु**
- जो दूसरों का भला चाहने वाला हो – **परार्थी**
- जो दूसरे के आश्रय में रहता है – **पराश्रयी/पराश्रित**
- जो दूर की बात न सोच सके – **अदूरदर्शी**
- जो दिये जाने योग्य न हो – **अदेय**
- जो दिया जा सके – **देय**
- जो दिन में एक बार भोजन करता हो – **एकभुक्त**
- जो दिखाई न देता हो – **अदृश्य**
- जो दायर मुकदमें का बचाव करे – **प्रतिवादी**
- जो दायर मुकदमें का प्रतिवाद करे – **प्रतिवादी**
- जो दबाया न जा सके – **अदभ्य**
- जो दण्ड पाने योग्य न हो – **अदण्डनीय**
- जो थके नहीं/लगातार चलने वाला – **अथक**
- जो तेज चलता हो – **शीघ्रगामी**
- जो तीनों कालों के विषय में जानता हो – **त्रिकालज्ञ**
- जो तर्क योग्य हो या जो तर्कपूर्ण हो – **तार्किक**
- जो तर्क से सिद्ध न हो – **अतर्क्य**
- जो तर्क के आधार पर ठीक सिद्ध हो – **तर्कसंगत**
- जो तत्व को जानता हो – **तत्वज्ञानी, तत्वविद्**
- जो ढँका न हो – **अनावृत्त**
- जो ठीक समय पर उत्पन्न हो – **प्रत्युत्पन्न**
- जो टूट न सके – **अटूट**
- जो जोता-बोया न गया हो – **अकृष्ट, अकृषित**
- जो जीव चलने वाले हों **– चर**
- जो जाना न जा सके – **अज्ञेय**
- जो जाना जा सके/जिसे जानना आवश्यक हो – **ज्ञेय**
- जो जानवर पाले जा सके – **पालतू**
- जो जानने योग्य हो – **ज्ञातव्य**
- जो जानता हो – **ज्ञाता**
- जो जानता न हो **– अभिज्ञ/भिज्ञ**
- जो जरा सा भी खर्च करने में आनाकानी करता है – **मितव्ययी**
- जो जमीन पर गिरा या लुढ़का हुआ हो – **लुंठित**
- जो जमकर ठोस हो गया हो – **आश्यान**
- जो जन्म से ही अंधा है – **जन्मांध**
- जो जन्म नहीं लेती – **अजा**
- जो जन्म नहीं लेता – **अज**
- जो छेदा न जा सके – **अछेद्य**
- जो छिपाये या ढके जाने योग्य हो – **अगोह्म**
- जो छाती के बल चलता/ गमन करता हो – **उरग (सर्प)**
- जो छः माह में एक बार हो – **अर्द्धवार्षिक**
- जो चिन्ता से रहित हो – **निश्चिन्त**
- जो चिन्तन करने योग्य न हो – **अचिंत्य**
- जो चर्चा का विषय हो **– चर्चित**
- जो चक्र धारण करता है **– चक्रधर (विष्णु)**
- जो घर गिर गया हो – **खण्डगृह**
- जो गोद लिया गया पुत्र हो – **दत्तक**
- जो गिरा हुआ हो – **पतित**
- जो गिना न जा सके – **अगणिन, अगणित, अनगिनत**
- जो गाये जाने योग्य न हो – **अगेय**
- जो गणना के अयोग्य हो – **नगण्य**
- जो खुशी के पीछे पागल हो – **अनुमत्त**
- जो खाया जा सके (जो खाने योग्य हो) – **खाद्य**
- जो खाने योग्य न हो – **अखाद्य**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- जो क्षीण न हो सके **– अक्षय**
- जो क्षमा पाने योग्य हो – **क्षम्य**
- जो क्षण भर में नष्ट होने वाला हो – **क्षणभंगुर/क्षणिक**
- जो क्रम के अनुसार हो – **यथा क्रम**
- जो कोई वस्तु या भिक्षा माँगता है – **याचक**
- जो केवल फल खाकर रहता हो **– फलाहारी**
- जो केवल कहने सुनने के लिए हो – **औपचारिक**
- जो केन्द्र से हटकर दूर जाता हो – **केन्द्रापसारी**
- जो केन्द्र की ओर उन्मुख होता हो – **केन्द्राभिमुख, केन्द्राभिसारी**
- जो कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया हो – **अंशकालिक**
- जो कुछ न जानता हो **– अज्ञ**
- जो कुछ न करता हो-**अकर्मण्य**
- जो किसी से न डरे – **निडर**
- जो किसी विषय का निर्देशन करता है – **निर्देशक**
- जो किसी वस्तु या व्यक्ति के प्रित आसक्त हो – **अनुरक्त**
- जो किसी वस्तु के अँदर दृढ़तापूर्वक वर्तमान या स्थित है – **अंतर्निविष्**
- जो किसी वस्तु का वहन करता है – **वाहक**
- जो किसी वंश में बराबर होता आया है – **आनुवंशिक**
- जो किसी बंधन का कारण हो – **आश्रव**
- जो किसी नियम का पालन न करे – **उच्छृंखल**
- जो किसी देन या पारिश्रमिक मदें पहले से दे दिया जाए – **अग्रिम**
- जो किसी चीज पर आसक्त न हो – **अनासक्त**
- जो किसी के अधीन या पराधीन न हो – **स्वाधीन**
- जो किसी की परीक्षा लेता हो – **परीक्षक**
- जो किसी की गद्दी पर बैठा हो – **गद्दीनशीन**
- जो किसी की ओर मुख किया हो – **अभिमुख**
- जो किसी कार्य हेतु सर्वदा उद्धत रहता हो – **तत्पर**
- जो किसी आसक्ति से विमुख हो – **विरक्त**
- जो किसी अल्पवयस्क बच्चे या अनाथ बालक या स्त्री की देख-रेख करता हो – **अभिभावक**
- जो किसी अन्य व्यक्ति के स्थान पर कार्यरत हो – **स्थानापन्न**
- जो किसी अन्य के भरोसे हो – **अन्याश्रित**
- जो किसी अन्य के भरोसे अथवा संरक्षण में न हो – **अनन्याश्रित**
- जो किये जाने या करने योग्य हो – **करणीय (कर्तव्य)**
- जो कार्य रूप में न लाया जा सके – **अव्यावहारिक**
- जो कामना रहित हो – **निष्काम**
- जो कानून के अनुकूल हो – **विधि-सम्मत**
- जो कही जाकर लौट आया हो – **प्रत्यागत**
- जो कहा न जा सके – **अकथनीय**
- जो कहा न गया हो – **अकथित**
- जो कहा गया हो – **कथित**
- जो कष्ट को सहन कर सके – **कष्ट-सहिष्णु**
- जो कल्पना से परे हो – **कल्पनातीत**
- जो कला जानता है या कला की रचना करता है – **कलाविद्, कलाकार**
- जो कर्त्तव्य से च्युत हो गया हो – **कर्त्तव्यचुत**
- जो कम बोलता हो – **मितभाषी**
- जो कम जानता है – **अल्पज्ञ**
- जो कम खर्च करने वाला हो – **मितव्ययी, कंजूस, कृपण**
- जो कभी मिटाया न जा सके **– अमिट**
- जो कभी न मरे – **अमर, अमर्त्य**
- जो कपड़ा बहुत फटा हुआ हो – **चिथड़ा**
- जो कपड़ा न पहना गया हो – **अप्रहत**
- जो कठिनाई से समझने योग्य है**– दुर्बोध**
- जो कठिनाई से मिलता है – **दुष्प्राप्य**
- जो कठिनाई से मिलता है **– दुर्लभ**
- जो कठिनता से जाना जा सके – **दुर्ज्ञेय**
- जो कठिनता से और देर से पचे – **गरिष्ठ**
- जो कठिन हो **– क्लिष्ट**
- जो एक ही माता के उदर (पेट) से उत्पन्न हुए हों – **सहोदर**
- जो एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर भेज दिया गया हो – **स्थानान्तरित**
- जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके – **स्थावर**
- जो उस पद होने के कारण किसी कार्य में रत हो – **पदेन/प्रभारी**
- जो उपलब्ध न हो **– अनुपलब्ध**
- जो उदार-वृत्ति का हो – **उदार चेता**
- जो उत्तर न दे सके – **निरुत्तर**
- जो ईश्वर में विश्वास रखता हो – **आस्तिक**
- जो ईश्वर को न मानता हो – **नास्तिक**
- जो इस लोक से परे हो – **अलौकिक**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- ❐ जो इन्द्रियों के ज्ञान के परे है – **इन्द्रियातीत, अतीन्द्रिय**
- ❐ जो इन्द्रिय रहित हो – **निरीन्द्रिय**
- ❐ जो इन्द्रिय ज्ञान से परे हो – **गोतीत**
- ❐ जो इधर-उधर से घूमता फिरता आ जाये – **आगन्तुक**
- ❐ जो इच्छा के अधीन हो **– इच्छाधीन, ऐच्छिक**
- ❐ जो इंद्रियों को वश में कर ले – **इन्द्रियनिग्रहवान**
- ❐ जो आसानी से प्राप्त किया जा सके – **सुलभ**
- ❐ जो आसानी से पच जाये – **लघुपाक**
- ❐ जो आसानी से झुकाया जा सके – **नमनीय**
- ❐ जो आलोचना के योग्य हो – **आलोच्य**
- ❐ जो आधी अवधि तक काम करता है – **अर्द्धकालिक**
- ❐ जो आदेश किसी विशेष समय तक ही लागू हो- **अध्यादेश**
- ❐ जो आदर करने योग्य हो – **आदरणीय**
- ❐ जो आगे/भविष्य की बात सोचता है – **भविष्यचेता**
- ❐ जो आगे की बात सोचता हो – **अग्रशोची**
- ❐ जो आगे की घटनाओ को देख सकता हो – **दूरदर्शी**
- ❐ जो आकाश में चलता हो **– खेचर**
- ❐ जो आँखों से सुनता हो – **श्रवणचक्षुक**
- ❐ जो आँखों से परे है – **परोक्ष**
- ❐ जो आँखों के आगे हो – **प्रत्यक्ष**
- ❐ जो असत्य ने बोले, सत्य भाषण करे – **सत्यवादी**
- ❐ जो अश्व (घोड़े) का आरोही (सवार) है – **अश्वारोही**
- ❐ जो अभी- अभी उत्पन्न हुआ हो – **नवजात**
- ❐ जो अभियोग लगाये या शिकायत करे – **अभियोगी**
- ❐ जो अपने ही नाम से प्रसिद्ध हो – **स्वनाम धन्य**
- ❐ जो अपने वीर्य को न गिरने दे – **ऊर्ध्वरेता**
- ❐ जो अपने पैरों से चल रहा हो – **पैदल**
- ❐ जो अपने पैरों पर खड़ा हो – **आत्म-निर्भर**
- ❐ जो अपने पद से हटाया गया हो – **पदच्युत**
- ❐ जो अपने निश्चित स्थान से डिग गया हो – **च्युत**
- ❐ जो अपने धर्म के विपरीत आचरण करता हो – **विधर्मी**
- ❐ जो अपने काम से जी चुराता है – **कामचोर**
- ❐ जो अपने आप से उत्पन्न हो – **स्वयंभू**
- ❐ जो अपनी हत्या कर लेता है – **आत्महंता**
- ❐ जो अपनी जन्मभूमि छोड़कर विदेश में वास करता हो/जो व्यक्ति विदेश में रहता हो – **प्रवासी**
- ❐ जो अपनी इच्छा पर निर्भर हो **– ऐच्छिक**
- ❐ जो अपनी पत्नी के साथ हो – **सपत्नीक**
- ❐ जो अपना उद्देश्य सिद्ध होने पर संतुष्ट हो – **कृतार्थ**
- ❐ जो अनेक भाषाओं का ज्ञाता हो – **भाषाविद्**
- ❐ जो अनुकरण करने योग्य हो – **अनुकरणीय**
- ❐ जो अधिकर बोलता हो – **वाचाल**
- ❐ जो अच्छे या ऊँचे कुल में उत्पन्न हुआ हो – **कुलीन**
- ❐ जो अच्छे भाग्य वाला हो – **भाग्यवान/भाग्यशाली**
- ❐ जो अच्छे चाल-चलन का न हो – **कुचाली**
- ❐ जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो – **कुलीन**
- ❐ जो (जानवर) किसी की देख-रेख में न रहे – **अनेर**
- ❐ जो (अपने निश्चय पर) डिग न सके – **अडिग**
- ❐ जो आँखों से सम्बन्धित हो – **चाक्षुष**
- ❐ जो अल्प (कम) बोलने वाला – **अल्पभाषी / मितभाषी**
- ❐ जो अपने आचरणों से पवित्र हो - **आचारपूत**
- ❐ जैसे-तैसे समय काटना **– कालयापन**
- ❐ जैसी विधि निर्धारित हो उसी के अनुसार – **यथाविधि**
- ❐ जैसा है उसी के अनुरूप – **यथानुरूप**
- ❐ जैसा पहले था वैसा ही – **यथापूर्व**
- ❐ जैसा कि साधारण रूप से मालूम पड़ता है**– प्रतीयमान**
- ❐ जैसा उचित हो वैसा – **यथोचित**
- ❐ जैविक प्राणियों में अभिक्रियाओं को घटाने-बढ़ाने वाला तत्व – **हार्मोन**
- ❐ जैन धर्म से सूर्यास्त से पहले का भोजन – **अथऊ**
- ❐ जैन धर्म के तीन अंग (सम्यक् ज्ञान, सम्यक् आचरण, सम्यक् दर्शन) – **त्रिरत्न**
- ❐ जीवों या शरीरधारियों के द्वारा प्राप्त दुःख – **आधिभौतिक**
- ❐ जीवन के अंश को लेकर लिखा गया प्रबंध काव्य – **खण्डकाव्य**
- ❐ जीभ से चाटने की क्रिया – **लेहन**
- ❐ जिसे समाज या जाति से बाहर निकाल दिया गया हो – **बहिष्कृत**
- ❐ जिसे सब पसन्द करे – **लोकप्रिय**
- ❐ जिसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता है – **अकथनीय**
- ❐ जिसे वेतन न मिलता हो – **अवैतनिक**
- ❐ जिसे विश्वास या दिलासा दिलाया गया हो – **आश्वस्त**
- ❐ जिसे वाणी व्यक्त न कर सके – **अवर्णनीय**
- ❐ जिसे मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा हो – **मुमुक्ष**
- ❐ जिसे मारना उचित न हो – **अवध्य (अबाह)**
- ❐ जिसे मर जाने की कामना हो – **मुमूर्षु**
- ❐ जिसे भेदना या तोड़ना कठिन हो – **दुर्भेद्य**
- ❐ जिसे भुलाया न जा सके – **अविस्मरणीय**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- जिसे भुलाया न गया हो – **अविस्मृत**
- जिसे भले-बुरे का ज्ञान न हो – **अविवेकी**
- जिसे बुलाया न गया हो – **अनाहूत**
- जिसे बुलाया गया हो – **आहूत**
- जिसे बढ़ा न गया हो/वाचन न किया गया हो – **अपठित, अवाच्य**
- जिसे प्राप्त न किया जा सके **– अप्राप्य**
- जिसे प्रसन्न/आधारित करना कठिन है – **दुराराध्य**
- जिसे पानी या किसी वस्तु को पीने की प्यास हो – **पिपासु**
- जिसे न छुआ जाये/जा सके –**अछूत**
- जिसे देश से निकाला गया हो – **निर्वासित**
- जिसे देखकर लोग मजाक उड़ाएं – **हास्यास्पद**
- जिसे देखकर घृणा उत्पन्न होती हो – **घृणित**
- जिसे देख सुनकर हृदय फटता हो – **हृदय-विदारक**
- जिसे त्यागा न जा सके – **अत्याज्य**
- जिसे त्याग देना उचित हो – **त्याज्य**
- जिसे तीनों कालों (भूत, वर्तमान, भविष्य) में होने वाली घटनाओं का ज्ञान हो **– त्रिकालज्ञ**
- जिसे ज्ञान प्राप्त करने की प्यास हो **– ज्ञान पिपासु**
- जिसे जीता न जा सके – **अजेय**
- जिसे जीत लिया गया हो – **विजित**
- जिसे जानने की इच्छा है – **जिज्ञासु**
- जिसे जानना आवश्यक हो **– ज्ञेय**
- जिसे छुआ न गया हो **– अछूता**
- जिसे कोई भ्रम या सन्देह न हो – **निभ्रांत**
- जिसे किसी बात की स्पृहा (आकांक्षा) न हो – **निःस्पृह**
- जिसे कर्त्तव्य न सूझ रहा हो – **किंकर्त्तव्यविमूढ़**
- जिसे करना बहुत कठिन हो – **दुष्कर**
- जिसे कठिनाई से प्राप्त किया जा सके – **दुष्प्राप्य**
- जिसे अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो **- 'विस्थापित'**
- जिसे अन्य का बल या सहारा हो – **अपरबल**
- जिसे अक्षर ज्ञान न हो **– निरक्षर**
- जिसे (स्त्री) पति ने छोड़ दिया हो – **परित्यक्ता**
- जिससे स्नान किया जा सके – **स्नानीय**
- जिससे लाभ न प्राप्त हो **– अलभ्य**
- जिससे बढ़कर ऊँचा कोई न हो – **उच्चतम**
- जिसमें स्वार्थ साधन की भावना न हो – **निःस्वार्थ**
- जिसमें सामर्थ्य न हो –**असमर्थ**
- जिसमें युद्ध करने की इच्छा हो – **युयुत्सु**
- जिसमें प्रतिभा का अभाव हो – **अप्रतिभ**
- जिसमें तेज न हो – **निस्तेज**
- जिसमें चेतना न हो – **अचेतन**
- जिसमें गीत अधिक हो, वह नाटक – **गीतरूपक**
- जिसमें खंड या टुकड़े न किये गये हो – **अखंडित**
- जिसमें कोई शब्द न हो – **निःशब्द**
- जिसमें कोई विकार या परिवर्तन होता हो – **विकारी**
- जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो – **अक्षम**
- जिसमें किसी प्रकार का विकार हो – **विकृत**
- जिसमें किसी का कोई हेतु या कारण न हो – **अहैतुक**
- जिसमें काँटे या विघ्न-बाधा न हो – **अकंटक**
- जिसमें उत्साह न हो – **निरुत्साही**
- जिसमें (सत, रज, तम) गुण न हो – **निर्गुण**
- जिसने सुनने की उत्सुकता के कारण कान खड़े किये हो – **उत्कर्ण**
- जिसने यश प्राप्त किया हो/जिसका यश चारो ओर फैला हुआ हो – **यशस्वी**
- जिसने मृत्यु को जीत लिया हो – **मृत्यंजय**
- जिसने बहुत कुछ देखा हो – **बहुदर्शी**
- जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त की हो – **लब्धप्रतिष्ठ, लब्धप्रतिष्ठित**
- जिसने पुण्य कार्य हेतु प्राण दियो हों – **हुतात्मा**
- जिसने पाप न किया हो – **निष्पाप**
- जिसने न बोलने का व्रत लिया हो – **मौनव्रती**
- जिसने किसी से ऋण लिया हो – **अधमर्ण**
- जिसने ऋण दिया हो – **उत्तमर्ण**
- जिसने ऋण चुका दिया हो – **उऋण**
- जिसने उधार लिया हो –**ऋणी**
- जिसने इंद्रियों पर विजय पा ली हो – **जितेन्द्रिय**
- जिसने अभी हाल ही में बच्चे को जन्म दिया हो – **सद्यःप्रसूता**
- जिसने अभी विवाह न किया हुआ हो – **कुवाँरा**
- जिसने अनेक विषयों का ज्ञान सुना और स्मरण कर लिया हो – **बहुश्रुत**
- जिसने अंतिम वर्ण में जन्म लिया हो – **अंत्यज**
- जिसकी पत्नी साथ न हो – **विपत्नीक**
- जिसको त्याग दिया गया हो – **त्यक्त**
- जिसको जीतने वाला कोई पैदा न हुआ हो– **अजातशत्रु**
- जिसको जाना नहीं जा सकता **– अज्ञेय**
- जिसको जानते हो – **परिचित**
- जिसको जानकारी बहुत अधिक हो – **विज्ञ**

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- जिसको छोड़ा नहीं जा सकता – **अत्याज्य**
- जिसको गोद में स्थान मिला हो – **अंकस्थ**
- जिसको क्षमा न किया जा सके – **अक्षम्य**
- जिसको किसी बात की खबर न हो – **बेखबर**
- जिसके हृदय में ममता न हो – **निर्मम**
- जिसके हृदय को चोट पहुँची हो – **मर्माहत**
- जिसके हाथ में शूल हो – **शूलपाणि**
- जिसके हाथ में वज्र रहता है – **वज्रपाणि**
- जिसके हाथ में चक्र (सुदर्शन) हो– **चक्रपाणि, चक्रधारी**
- जिसके हाथ में कोई काम न हो – **निरुद्यम**
- जिसके सिर पर बाल न हों – **गंजा, खल्वाट**
- जिसके सिर पर चन्द्रमा हो – **चन्द्रशेखर**
- जिसके सम्बन्ध में संदेह हो – **संदिग्ध**
- जिसके समान कोई दूसरा न हो- **अद्वितीय**
- जिसके समान कोई अन्य न हो – **अनन्य**
- जिसके सब अंग दुरुस्त न हो – **अपांग, अपंग**
- जिसके विषय में मतभेद न हो – **निर्विवाद**
- जिसके लिए दण्ड दिया जा सकता है या दण्डित किया जाना चाहिए – **दण्डनीय**
- जिसके लम्बे-लम्बे बिखरे हुए बाल हो – **झबरा**
- जिसके मन में दया न हो – **निर्दय, निर्दयी**
- जिसके मन में ईर्ष्या न हो – **निर्मत्सर**
- जिसके पेट में माँ ने रस्सी बाँध दी थी – **दामोदर**
- जिसके पेट में बच्चा हो – **गर्भवती/गर्भिणी**
- जिसके पास शक्ति का अभाव हो – **निर्बल**
- जिसके पास लाख रुपये की सम्पत्ति हो – **लखपति**
- जिसके पास तीन नेत्र हैं– **त्रिनेत्र (शिव)**
- जिसके पास कोई साधन न हो **– साधनहीन**
- जिसके पास कोई रोजगार नहीं है – **बेरोजगार**
- जिसके पास कुछ न हो – **अकिंचन**
- जिसके पास करोड़ो रुपये हो – **करोड़पति**
- जिसके पार देखा जा सके – **पारदर्शी/पारदर्शक**
- जिसके पान करने का निषेध हो – **अपेय**
- जिसके दो पैर हो – **द्विपद**
- जिसके दाढ़ी-मूंछ न निकली हो – **अजातस्मश्र**
- जिसके दाँत न जमे हो – **उदन्त**
- जिसके दस मुख (आनन) हो – **दशानन**
- जिसके टुकड़े न हो सके – **अखण्ड**
- जिसके जोड़ (मुकाबले) का कोई न हो – **बेजोड़**
- जिसके छः मुख हो (कार्तिकेय) – **षड्मुखी**
- जिसके चित्त में पाप करने की भावना है – **पापचेता**
- जिसके चार-पैर होते हैं – **चतुष्पद**
- जिसके कोई संतान न हो – **निःसंतान**
- जिसके एक ही आँख हो – **एकाक्ष**
- जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो – अतिथि
- जिसके अंदर या पास पहुँचा न जा सके – **अगम्य**
- जिसके अंग-प्रत्यंग गल गये हो – **गलितांग**
- जिसकी सूचना राजपत्र (गजट) में दी गई हो- **राजपत्रित**
- जिसकी सीमा हो – **ससीम**
- जिसकी सहायता करने वाला कोई न हो– **निस्साहय**
- जिसकी सम्पत्ति नष्ट हो गयी हो – **क्षीणार्थ**
- जिसकी समस्त कामनाएँ पूरी हो गयी हो– **आप्तकाम**
- जिसकी रक्षा करना उचित या आवश्यक हो– **रक्षणीय**
- जिसकी माप-तौल हो सके – **परिमेय**
- जिसकी बुद्धि मन्द हो – **मन्दबुद्धि**
- जिसकी बुद्धि कुशा की नोक के समान तीखी/तेज हो – **कुशाग्रबुद्धि**
- जिसकी बाहें घुटने तक हो – **आजानुबाहु**
- जिसकी बाँहें अधिक लम्बी हों – **प्रलंबबाहु, दीर्घबाहु**
- जिसकी प्राप्ति अत्यन्त श्रम से हो **– श्रमसाध्य**
- जिसकी प्रतिष्ठा हो – **प्रतिष्ठित**
- जिसकी प्रतारणा की गयी हो – **प्रताणित**
- जिसकी पूर्व से कोई आशा न हो **– अप्रत्याशित**
- जिसकी पूजा की जा सके – **पूजनीय**
- जिसकी परीक्षा ली जा चुकी हो – **परीक्षित**
- जिसकी परिभाषा देना संभव न हो – **अपरिभाषित**
- जिसकी नाप तौल न हो सके – **अपरिमेय**
- जिसकी नाक कट गयी हो – **नकटा, नककटा**
- जिसकी धर्म में निष्ठा हो – **धर्मनिष्ठ**
- जिसकी थाह (गहराई) का पता न चल सके– **अथाह/ अगाध**
- जिसकी तुलना न की जा सके– **अतुलनीय**
- जिसकी जीविका ब्याज पर दिये हुए धन से चलती हो – **सूदखोर**
- जिसकी जीविका बुद्धि के (दिमागी) काम से चलती हो **– बुद्धिजीवि**
- जिसकी जीविका निश्चित हो - **सुवृत्ति**
- जिसकी जीविका अनिश्चित हो – **आकाशवृत्ति**
- जिसकी जड़ या आधार का पता न हो – **निर्मूल**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- जिसकी चिन्ता नहीं हो सकती – **अचिन्तनयी, अचिन्त्ता**
- जिसकी घोषणा की गयी हो – **घोषित**
- जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो – **सुग्रीव**
- जिसकी ग्रीवा शंख की तरह हो – **काम्बुग्रीवा**
- जिसकी गर्दन कबूतर की तरह (सुन्दर) हो – **कपोत-ग्रीवा**
- जिसकी ख्याति विश्व भर मे फैली हो – **विश्वविख्यात**
- जिसकी कोई सीमा न हो – **असीम**
- जिसकी कीमत कम हो – **अनर्ध्य**
- जिसकी कामना बीत चुकी हो – **बीतकाम**
- जिसकी कामना पूरी हो गयी हो – **पूर्णकाम**
- जिसकी उपमा न दी जा सके – **निरुपम/ अनुपम**
- जिसकी उत्पत्ति, स्वभावगत न हो – **कृत्रिम**
- जिसकी ईप्सा या इच्छा की गई हो – **ईप्सित**
- जिसकी आशा न की गयी हो - **अप्रत्याशित**
- जिसकी आने की कोई तिथि न हो – **अतिथि**
- जिसकी आकांक्षा हो – **इष्ट**
- जिसकी अब कीर्ति शेष रह गयी हो – **कीर्तिशेष**
- जिसकी अपेक्षा व चाह न हो – **अनपेक्षित**
- जिसका हृदय उदार हो – **उदार-हृदय**
- जिसका हाथ बहुत तेज चलता हो – **क्षिप्रहस्त**
- जिसका स्पष्टीकरण किया जाए – **प्रतिपाद्य**
- जिसका साधन किसी दूसरे प्रधान कार्य के करते समय थोड़े प्रयास से ही हो जाये – **आनुषंगिक**
- जिसका सम्बन्ध किसी एक देश से हो – **एकदेशीय**
- जिसका समाधान या उपचार करना कठिन है – **दुःसाध्य**
- जिसका समर्थन किया गयो हो – **समर्थित**
- जिसका शरीर बहुत छोटा हो – **वितनु**
- जिसका शत्रु जन्मा ही न हो – **अजातशत्रु**
- जिसका विश्वास किया जाए – **विश्वस्त, विश्वासपात्र**,
- जिसका विवाह हो गया हो – **विवाहिता**
- जिसका विवाह न हुआ हो – **अपरिणीत, अविवाहित**
- जिसका वर्णन न किया जा सके – **अवर्णनीय**
- जिसका वर्णन न किया गया हो – **अवर्ण्य**
- जिसका रोकना या निवारण करना कठिन हो – **दुर्निवार/दुर्निवार्य**
- जिसका या जिसके सम्बन्ध में कोई निर्णय न हुआ हो – **अनिर्णीत**
- जिसका मूल नहीं है – **निर्मूल**
- जिसका मुख दक्षिण की ओर हो – **दक्षिणामुख**
- जिसका मन महान हो – **महामना**
- जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो– **अन्यमनस्क**
- जिसका मन उदार हो– **उदारमना**
- जिसका भोग होता है– **भोग्य**
- जिसका भजन करना उचित और आवश्यक है– **भजनीय**
- जिसका प्रयोजन सिद्ध हो चुका हो – **सिद्धकाम**
- जिसका प्रचार हुआ या किया गया हो – **प्रचारित**
- जिसका परिहार न हो सके – **अपरिहार्य**
- जिसका निषेध किया गया है – **निषिद्ध**
- जिसका निश्चय न हो सके (जिसकी प्रतीति न हो)– **अप्रतीयमान**
- जिसका नाप करना कठिन हो – **दुष्परिमेय**
- जिसका दलन किया जाये – **दलित**
- जिसका दमन किया गया हो – **दमित**
- जिसका दमन करना कठिन हो – **दुर्दम/दुर्दम्य**
- जिसका तेज नष्ट हो गया हो – **श्रीहत्, तेजोहत्**
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा हो – **गोचर**
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो – **अगोचर**
- जिसका जवाब न दिया गया हो या जिसे निस्तारित न किया गया हो– **अनिस्तीर्ण**
- जिसका जन्म शरीर से हो – **पिण्डज**
- जिसका जन्म पहले हुआ हो – **अग्रज**
- जिसका जन्म द्वीप में हुआ हो – **द्वैपायन**
- जिसका जन्म गर्मी में हुआ हो – **ऊष्मज**
- जिसका जन्म कन्या के गर्भ से हुआ हो – **कानीन**
- जिसका चित्त स्थिर हो – **एकाग्रचित्त**
- जिसका चित्त किसी एक बात पर स्थिर न हो – **दुचित्तता**
- जिसका चिंतन या चिंता करना उचित हो – **चिंतनीय**
- जिसका गला या गले का स्वर अच्छ हो – **सुकण्ठ**
- जिसका खण्डन न किया जा सके – **अखण्डनीय**
- जिसका कोई हिस्सा टूटकर अलग हो गया हो– **खंडित**
- जिसका कोई स्थायी ठिकाना न हो– **यायावर**
- जिसका कोई शत्रु न उत्पन्न हुआ हो– **अजातशत्रु**
- जिसका कोई पार न हो– **अपार**
- जिसका कोई निश्चित मत या सिद्धान्त न हो– **अनिकेतु**
- जिसका कोई नाथ न हो – **अनाथ**
- जिसका कोई दूसरा उपाय न हो – **अनन्योपाय**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- जिसका कोई जवाब न हो – **लाजवाब**
- जिसका कोई खण्डन/काट न हो सके – **अकाट्य, अखण्डनीय**
- जिसका कोई कसूर हो – **कसूरवार**
- जिसका कोई आश्रय न हो – **निराश्रय**
- जिसका कोई आधार न हो – **निराधार**
- जिसका कोई अर्थ न हो – **निरर्थक**
- जिसका कोई अंत न हो **– अनंत**
- जिसका कोई अंग बेकार हो – **विकलांग, दिव्यांग**
- जिसका किसी भी तरह उल्लंघन नहीं किया जा सके– **अनुलंघनीय**
- जिसका कभी जन्म न हो – **अजन्मा**
- जिसका ऊपर उल्लेख किया जा चुका हो – **उपर्युल्लिखित**
- जिसका उल्लेख किया गया हो – **उल्लिखित**
- जिसका उल्लेख करना आवश्यक हो – **उल्लेखनीय**
- जिसका उपकार किया गया हो – **उपकृत**
- जिसका उत्साह गिर चुका हो – **हतोत्साहित**
- जिसका उत्तर न दिया गया हो – **अनुत्तरित**
- जिसका उच्चारण न किया जा सके – **अनुच्चरित**
- जिसका ईश्वर में विश्वास हो – **आस्तिक**
- जिसका आदि व अंत न हो – **आद्यान्तेत्तर**
- जिसका आदर न किया गया हो – **अनादृत**
- जिसका आकार न हो – **निराकार**
- जिसका अहंकार चूर्ण हो गया हो – **आन्तगर्व**
- जिसका अस्तित्व अल्पकाल तक रहे– **अल्पकालिक**
- जिसका अर्थ सिद्ध हो चुका हो – **कृतकार्य**
- जिसका अपने प्रिय से अलगाव हो गया हो – **वियोगी**
- जिसका अपकार किया गया हो – **अपकृत**
- जिसका अन्त सुखमय हो – **सुखान्त**
- जिसका अनुभव किया जा चुका है – **अनुभूत**
- जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा न हो – **अतीन्द्रिय**
- जिसका pH मान 7 से अधिक होता है – **क्षार**
- जिसका इलाज न हो सके – **लाइलाज**
- जिस स्थान पर बैठकर माल खरीदा और बेचा जाता है – **फड़**
- जिस स्त्री के पुत्र न पैदा होता हो – **निपूती**
- जिस स्त्री के पुत्र और पति न हो – **अवीरा**
- जिस स्त्री के पुत्र और पति हो – **पुरन्ध्री**
- जिस स्त्री के एक संतान होने के बाद फिर संतान उत्पन्न न हो – **काकबंध्या**
- जिस स्त्री की संतान न पैदा होती हो – **बाध्या (बांझ)**
- जिस स्त्री का पति दूसरा विवाह कर ले **– अध्यूढ़ा**
- जिस स्त्री का पति जीवित हो – **सधवा, सौभाग्यवती**
- जिस स्त्री का पति जीवित न हो – **विधवा**
- जिस समय बड़ी मुश्किल से भिक्षा मिलती हो – **दुर्भिक्ष**
- जिस रास्ते पर जाना कठिन हो **– दुर्गम**
- जिस मत अनुसार संसार की प्रत्येक वस्तु क्षण भर के लिए अस्तित्ववान होती है – **क्षणिकवाद**
- जिस भूमि में कुछ न पैदा होता है – **बंजर (ऊसर)**
- जिस पेड़ के पत्ते झड़ गये हो– **अपत**
- जिस पुरूष की पत्नी साथ नहीं है – **विपत्नीक**
- जिस पुरूष का विवाह हो चुका हो – **विवाहित**
- जिस पुरूष का ब्याह न हुआ हो **– कुमार**
- जिस पुरूष की पत्नी मर चुकी हो **– विधुर**
- जिस पुरूष की पत्नी न हो – **अपत्नीक**
- जिस पशु के पेट में बच्चा हो – **गाभिन**
- जिस पर विश्वास किया गया हो – **विश्वसनीय**
- जिस पर विजय पाना कठिन हो – **दुर्जेय**
- जिस पर लम्बी-लम्बी धारियाँ हो – **धारीदार**
- जिस पर मत दे दिया गया हो – **अभिमत**
- जिस पर पक्षपात पूर्ण दृष्टि से विचार किया गया हो – **दुर्दृष्ट**
- जिस पर नियंत्रण किया गया हो – **नियंत्रित**
- जिस पर दिनांक (तारीख का अंक) लगाया गया हो – **दिनांकित**
- जिस पर चिन्ह लगाया गया हो – **चिन्हित**
- जिस पर कोई रोक-टोक न हो – **अनियन्त्रित**
- जिस पर कोई कलंक न लगा हो – **निष्कलंक**
- जिस पर किसी प्रकार की कोई फीस न ली जाए – **निःशुल्क**
- जिस पर किसी प्रकार का अंकुश/नियंत्रण (दाब) ने हो – **निरंकुश**
- जिस पर किसी काम का उत्तरदायित्व हो – **उत्तरदायी**
- जिस पर किसी का आतंक छाया हो – **आतंकित**
- जिस पर उपकार किया गया हो – **उपकृत**
- जिस पर आक्रमण हो – **आक्रान्त**
- जिस पर आक्रमण हुआ हो – **आक्रान्त**
- जिस पर आक्रमण न किया गया हो – **अनाक्रान्त**
- जिस पर अभियोग लगाय गया हो – **अभियुक्त**
- जिस पर अपना अधिकार हो – **आत्मनीन**
- जिस पर अनुग्रह किया गया हो – **अनुगृहीत**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- ❒ जिस किसी प्रकार की शंका या डर ने हो – **निःशंक**
- ❒ जिस कागज पर मानचित्र, विवरण या कोष्ठक अंकित हो – **फलक**
- ❒ जिस आकृति मे छह कोण हों – **षट्कोण, षट्कोणीय**
- ❒ जिस (देवता) की चार भुजाएँ हो – **चतुर्भुज**
- ❒ जिस स्त्री की शादी न हुई हो – **कुमारी**
- ❒ जाने-अनजाने गर्भिणी स्त्री से विवाहोपरान्त उत्पन्न पुत्र – **अपविद्ध**
- ❒ जानने की इच्छा रखने वाला – **जिज्ञासु**
- ❒ जान से मारने की इच्छा **– जिघांसा**
- ❒ जहाँ सेना रहती हो – **सैन्यवास**
- ❒ जहाँ से शब्द होता हो वहीं पर बाण से मारने वाला – **शब्दवेधी, शब्दभेदी**
- ❒ जहाँ से अनेक मार्ग चारों ओर जाते हैं – **चौराहा**
- ❒ जहाँ रानी या रानियाँ निवास करती हैं **– रनिवास**
- ❒ जहाँ राजा निवास करता हो – **राजाप्रसाद, राजमहल**
- ❒ जहाँ पृथ्वी और आकाश मिलते दिखायी पड़े – **क्षितिज**
- ❒ जहाँ नाटक खेला जाता है – **रंगमंच**
- ❒ जहाँ तक सध सके – **यथासाध्य**
- ❒ जहाँ तक और जितना योग्य हो – **यथासंभव**
- ❒ जहाँ जाना कठिन हो – **दुर्गम, दुर्गम्य**
- ❒ जहाँ खाना मुफ्त में मिलता है – **सदावर्त**
- ❒ जहाँ कोई दूसरा न हो - **एकांत**
- ❒ जहाँ किसी बात का डर अथवा खतरा न हो – **निरापद**
- ❒ जहाँ आबादी/जन न हो – **निर्जन**
- ❒ जलासिक्त भूमि – **आर्द्रभूमि**
- ❒ जलाशय का वह द्वार जिससे आवश्यकता होने पर पानी लेते हैं और फिर बन्द कर देते हैं – **आस्रव**
- ❒ जल-थल दोनों जगह रहने वाला प्राणी – **उभयचर**
- ❒ जल-थल दोनों जगह पर रह सकने वाला – **जलभूमिया**
- ❒ जल लेने के बदले में दिया जाने वाला कर – **जलकर**
- ❒ जल में विचरने वाले जीव – **जलचर**
- ❒ जल में पैदा होने वाला – **जलज**
- ❒ जमी हुई गाढ़ी चीज की मोटी तह – **थक्का**
- ❒ जन्मदिन पर मनाया जाने वाला उत्सव – **जन्मोत्सव**
- ❒ जन्म से सो वर्ष का समय – **जन्मशती**
- ❒ जन्म लेते ही मर जाना – **आदण्डपात**
- ❒ जन्म भर तक – **आजन्म, जन्मपर्यंत**
- ❒ जनता द्वारा संचालित शासन – **जनतन्त्र**
- ❒ जन साधारण के गीत – **लोकगीत**
- ❒ जड़ से चोटी तक – **आमूलचूल**
- ❒ जंगल में लगी हुई आग – **दावानल, दावाग्नि**
- ❒ छोटे से छोटे दोष को खोजने वाला – **छिद्रान्वेषी**
- ❒ छोटे भाई से पहले बड़े भाई का विवाह – **सुवेश**
- ❒ छोटे की सहायता करना – **कृपा**
- ❒ छोटे कद का आदमी – **बौना**
- ❒ छिपे वेश में रहना – **छद्मवेश**
- ❒ छिपने या ढकने का कार्य – **आवेष्टन**
- ❒ छात्रों के रहने का स्थान – **छात्रावास**
- ❒ छह-छह महीने पर होने वाला – **षट्मासिक**
- ❒ छत में टाँगने वाला शीशे का कमल या गिलास, जिसमें मोमबत्तियाँ जलती हैं – **फानूस**
- ❒ छः महीने का समय – **छमाही**
- ❒ चौपायों के बाँधने का स्थान – **थान**
- ❒ चौदह से सोलह वर्ष के बीच की नायिका – **वयःसंधि**
- ❒ चौथे दिन आने वाला ज्वर – **चौथिया**
- ❒ चौड़ा या फाड़ा हुआ – **विदीर्ण**
- ❒ चोरी-छिपें और चुंगी शुल्कादि दिये बिना माल लाकर बेचने वाला – **तस्कर**
- ❒ चोरी के लिए मकान की दीवार में किया गया बड़ा सा छेद **– सेंध**
- ❒ चैतन्य स्वरूप की माया – **चिद्विलास**
- ❒ चूहों को फाँसने का पिंजरा – **चूहेदानी**
- ❒ चुनाव में अपना मत देने कि क्रिया – **मतदान**
- ❒ चीन में बनने या चीन से आने वाला रेशमी कपड़ा – **चीनांछुक**
- ❒ चिरकाल तक बना रहने वाला – **चिरस्थायी**
- ❒ चिरकाल तक जीवित रहने वाला – **चिरंजीवी**
- ❒ लेखन से जीविकोपार्जन करने वाला**- मसिजीवी**
- ❒ चित्त को चुराने वाला – **चितचोर**
- ❒ चिंता उत्पन्न करने वाला – **चिंताजनक**
- ❒ चालीस वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित नायिका – **सुश्री**
- ❒ चारों ओर से जल से घिरा हुआ भू-भाग – **टापू**
- ❒ चारों ओर की सीमा – **चौहद्दी**
- ❒ चारों अंगों से सुसज्जित सेना –**अक्षौहिणी**
- ❒ चारो युगों में से चौथा कलह का युग – **कलियुग**
- ❒ चारो ओर से घिरा हुआ – **परिवेष्टिता**
- ❒ चार वेदों को जानने वाला – **चतुर्वेदी**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- चाँदनी रात – **शर्वरी**
- चलने वाली वस्तु – **चलायमान**
- चन्द्रमास के किसी पक्ष की सातवीं तिथि – **सप्तमी**
- चन्द्रमास के किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि – **एकादशी**
- चन्द्रमास के किसी पक्ष की आठवीं तिथि – **अष्टमी**
- चन्द्रमास का वह पक्ष जो जब शाम से ही चन्द्रमा के दर्शन होने लगते हैं – **शुक्लपक्ष**
- चन्द्रमा की वह स्थिति जब उस पर पृथ्वी की छाया पड़ने से उसका कुछ या सारा भाग दिखायी नहीं देता – **चंद्रग्रहण**
- चंद्रमास के किसी पक्ष की नौवीं तिथि **– नवमी**
- चंचल आँखों वाली नायिका – **लोलाक्षिका**
- घोड़े जैसी मुख वाली देवताओं की योनि – **किन्नर**
- घोड़े की पीठ पर रखने की गद्दी/वह गुणसूत्र जिसमें पुश्तैनी गुण समाहित होते हैं/सूती मोटे कपड़े की बनी चुस्त पतलून- **जीन**
- घोड़े आदि की पीठ पर कसने की जीन को कहते हैं- **काठी**
- घृणा किये जाने योग्य – **घृण्य, घृणिय, घृणास्पद**
- घूस लेने वाला – **घूसखोर**
- घूम-फिरकर सौदा बेचने वाला – **फेरीवाला**
- घुलने योग्य पदार्थ – **घुलनशील**
- घुंघराले बालों वाली नायिका – **काकुली**
- घुंघराले बालों वाला नायक – **काकुल्य**
- घास छीलने वाला – **घसियारा**
- घाट पर बैठेकर स्नान करने वालों से दान लेने वाला ब्राह्मण – **घाटिया**
- घर या देश के अन्दर, आपस के लोगों या दलों की लड़ाई – **गृहयुद्ध**
- घर में दासी द्वारा उत्पन्न दास - **गृहजात**
- घने बालों वाली नायिका – **अलका**
- ग्रन्थ के वे बचे हुए अंश जो प्रायः अन्त में जोड़े जाते हैं – **परिशिष्ट**
- गोपियों का घेरा बाँधकर नाचने की क्रिया – **रास**
- गोद लिया हुआ – **दत्तक**
- गोद में सोने वाली स्त्री - **अंकशायिनी**
- गृह बसाकर रहने वाला – **गृहस्थ**
- गुरू के समीप या साथ रहने वाला छात्र – **अंतेवासी**
- गिरा हुआ - **पतित**
- गायों को पालने और रखने का स्थान – **गोशाला**
- गाड़ियों की सुरक्षा के लिए प्रयोग में लाया जाता है/लोहे के जाल का बना कवच जो युद्ध के समय पहना जाए- **बख्तर**
- गांव की वह सभा जिसमें पाँच लोग झगड़ों का निपटारा करते हैं – **पंचायत**
- गाँव से सम्बंधित – **ग्रामीण**
- गहरी नींद में सोया हुआ – **सुषुप्त**
- गर्भ में बालक की हत्या – **भ्रूणहत्या**
- गधा के समरूप पशु – **खच्चर**
- गणितशास्त्र का जानकार **– गणितज्ञ**
- गंगा से संबंधित या गंगा से उत्पन्न – **गांगेय**
- गंगा और जमुना के जल के मेल की भाँति दो तरह के रंग का – **गंगा-जमुनी**
- खेत जोतने का काम – **जुताई**
- खून से रंगा हुआ – **रक्तरंजित**
- खाने से बचा हुआ जूठा भोजन – **उच्छिष्ट**
- खाने की इच्छा – **बुभुक्षा**
- खली में सानकर दिया जाने वाला चारा – **सानी**
- खरीदा हुआ दास – **क्रीत**
- क्षीण शरीर वाला – **क्षीणकाय**
- क्षमा करने वाला व्यक्ति – **क्षमाशील**
- क्षत्रिय (पिता) और शूद्र विवाहिता से उत्पन्न पुत्र – **उग्र पुत्र**
- क्षत्रिय पुरूष की पत्नी – **क्षत्राणी**
- क्रोध करे वाली स्त्री – **भामिनी**
- क्रय किया हुआ पुत्र – **क्रीतक पुत्र**
- क्रम के अनुसार – **क्रमानुसार**
- कोई बात सिद्ध करने के लिए पहले ही कुछ मान लेना – **उपकल्पना**
- कोई काम स्वभाववश करते रहने की क्रिया – **अभ्यास**
- कोई काम या पद छोड़ देने के लिए लिया गया पत्र – **त्यागपत्र**
- केश को सजाने-सवाँरने का काम – **केशविन्यास**
- केवल पेट भरने वाला – **कुक्षिभर**
- केवल अपना हित चाहने वाला – **स्वार्थी**
- कुसंगति में पड़कर चरित्र पर दोष लगाना – **कलंक**
- कुछ निश्चित लम्बाई का कपड़ा – **थान**
- कुछ देने या करने का वचन, वादा **– वाग्दान**
- कुछ जानने या ज्ञान प्राप्त करने की चाह – **जिज्ञासा**
- कुछ खास शर्तों द्वारा कोई कार्य करने-कराने का समझौता – **संविदा**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- किसी स्थल से परिवर्तित होकर आई हुई ध्वनि – **प्रतिध्वनि**
- किसी स्त्री को पत्नी रूप में ग्रहण करने के साथ उसका हाथ पकड़ना – **पाणिग्रहण**
- किसी से प्रेम करने वाली युवती – **प्रेयसी**
- किसी से अनुग्रहपूर्वक कुछ माँगना – **याचना**
- किसी सत्ता के विरुद्ध अपना सत्य मनवाने के लिए किया गया आन्दोलनात्मक आग्रह – **सत्याग्रह**
- किसी शुभ कार्य को विधि विधान और श्रद्धापूर्व करना – **अनुष्ठान**
- किसी व्यक्ति द्वार हलफ (शपथ) के साथ लिखा हुआ न्यायालय में प्रस्तुत पत्र – **हलफनामा**
- किसी विषय में दूसरों से मत न मिलना – **मतभेद**
- किसी विषय में दक्षता प्राप्त करने वाला – दक्ष, पारंगत
- किसी विषय के आरंभ की मोटी-मोटी बातें – **ककहरा**
- किसी विषय का, जिसको विशेष ज्ञान हो – **विशेषज्ञ**
- किसी विशेष समय या ऋतु से संबंध रखने वाला – **आपर्तुक**
- किसी विशेष वस्तु की सामान्य इच्छा – **कामना**
- किसी विचार को कार्य रूप में बदलना – **कार्यान्वियन**
- किसी वस्तु या विषय के अंगो को अलग-अलग करके देखना – **विश्लेषण**
- किसी वस्तु को रखने का छोटा पात्र – **डलिया**
- किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा – **अभीप्सा**
- किसी वस्तु को देखने अथवा सुनने की प्रबल इच्छा – **कुतूहल/कौतूहल**
- किसी वस्तु के क्रय-विक्रय का एक छत्र अधिकार या अकेले आदमी का अधिकार – **एकाधिकार**
- किसी वस्तु का भीतरी भाग – **अभ्यन्तर**
- किसी वस्तु का चौथा भाग – **चतुर्थांश**
- किसी राष्ट्र का सबसे बड़ा राज्याधिकारी/राष्ट्र का प्रधान – **राष्ट्रपति**
- किसी राजा के अधीन छोटे सामन्त – **क्षत्रप**
- किसी मामले के खिलाफ दिया गया मत – **विमत, विमति**
- किसी मत या प्रस्ताव को समर्थन करने की क्रिया – **अनुमोदन**
- किसी मत का सर्वप्रथम प्रवर्तन करने वाला – **आदि प्रवर्त्तक**
- किसी भी देशद्रोही व्यक्ति को दी गई उपाधि**– जयचन्द**
- किसी बात या भाव को प्रकट करने की इच्छा– **अभिप्रेत**
- किसी बात पर कुछ कहना, प्रतिक्रिया देना– **टिप्पणी**
- किसी बात के मर्म (मूढ़ रहस्य) को जानने वाला – **मर्मज्ञ**
- किसी के निधन की वार्षिक तिथि – **पुण्यतिथि**
- किसी प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित कुल अंक – **पूर्णांक**
- किसी प्रश्न के प्रति दिया जाने वाला उत्तर – प्रत्युत्तर
- किसी प्रतियोगिता में विजेताओं को दिया जाने वाला उपहार – **पारितोषक**
- किसी पुरूष से प्रेम करने वाली अविवाहित स्त्री– **अनूढ़ा**
- किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला- **'जिगीषु'**
- किसी पदार्थ या राज्य का दूसरे पदार्थ या राज्य में मिल जाना **– विलय**
- किसी देश या समाज के सार्वजनिक क्षेत्र की घटनाओं, तथ्यों आदि का क्रमबद्ध विवरण – **इतिहास**
- किसी देश के वे निवासी जो बहुत पहले से वहाँ रहते आ रहे है – **आदिवासी**
- किसी देश के अन्दर होने वाला या उससे सम्बन्ध रखने वाला – **अंतर्देशीय**
- देशों के बीच (दो या अधिक देशों से संबद्ध)- **अन्तरदेशीय**
- किसी देवता पर चढ़ाने के लिए मारा जाने वाला पशु – **बलि**
- किसी टूटी-फूटी वस्तु का फिर से निर्माण- **पुनर्निर्माण**
- किसी टूटी हुई इमारत का शेष (बचा हुआ अंश)– **भग्नावशेष**
- किसी छोटे से छोटे काम में त्रुटि ढूंढना– **छिद्रान्वेषण**
- किसी चीज या बात की इच्छा रखने वाला – **इच्छुक**
- किसी चीज पर आसक्त न होने की दशा – **अनासक्ति**
- किसी ग्रन्थ या रचना की टीका करने वाला – **टीकाकार**
- किसी गूढ़ विषय की वृहद टीका **– भाष्य**

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- किसी गाय का प्रथम बार गर्भ धारण करना अथवा गर्भाधान के लिए सांड़ का गाय के निकट जाना – **उपसर**
- किसी क्षेत्र में स्थित या सीमित रहने वाला – **क्षेत्रीय**
- किसी को दोषारोपण करके छोड़ना – **छींटाकशी**
- किसी को जीतने की चाह – **जिगीषा**
- किसी को जाँचने/परखने की प्रक्रिया – **परीक्षण**
- किसी को चेताने के लिए कही जाने वाली बात – **चेतावनी**
- लोगों की जानकारी के लिए पत्रों आदि में प्रकाशित बात या सूचना – **विज्ञापन, विज्ञप्ति**
- लोक में प्रचलित वस्तुओं से बढ़कर – **लोकोत्तर**
- लेना और देना, आदान-प्रदान – **विनिमय**
- लुभाया या ललचाया हुआ – **लुब्ध**
- लालिमा से युक्त – **रक्तिम**
- लालसा रखने वाला – **लालायित**
- लाल कमल – **कोकनद**
- लाभ या सूद न लेने वाला – **अकुसीद**
- लम्बे या मोटे उदर (पेट) वाला – **लंबोदर**
- लम्बे बालों वाली नायिका – **केशिनी**
- लड़की का लड़का – **नाती**
- लड़की की लड़की – **नातिन**
- लगातार देखना, बिना पलक झपकाए – **निर्निमेष**
- लगातार घंटा बजाने से होने वाला टन-टन शब्द – **टनाटन**
- लकड़ी का छोटा टुकड़ा – **डंडा**
- रोष से भरा हुआ – **रूष्ट**
- रोगियों की चिकित्सा करने का स्थान – **चिकित्सालय**
- रूप के अनुसार – **अनुरूप**
- राह या मार्ग का भोजन – **पाथेय**
- राधा का पुत्र – **राधेय**
- रात्रि में बेखबर लोगों का आक्रमण – **छापा**
- रात्रि के मध्य-भाग का समय – **निशीथ**
- रात्रि का प्रथम पहर/रात्रि के पूर्व भाग का समय – **प्रदोष**
- रात्रि का प्रथम पहर – **प्रदोष**
- रात्रि का दूसरा पहर-**द्वियामा**
- रात्रि का तीसरा पहर – **त्रियामा**
- रात्रि का चौथा या अंतिम पहर – **ब्रह्ममुहूर्त**
- रात्रि एवं सुबह के बीच का समय – **उषाकाल**
- रात को दिखाई न देने वाला रोग – **रतौंधी**
- राज्य या राजा के प्रति किया जाने वाला विद्रोह – **राजद्रोह**
- राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश - **'अध्यादेश' (राजाज्ञा)**
- राज्य द्वारा आधिकारिक रूप से प्रकाशित होने वाला पत्र – **राजपत्र, गजट**
- राजा द्रुपद की पुत्री **– द्रौपदी**
- राजा के साथ अभिषेक की हुई रानी – **महिषी, राजमहिषी**
- राजा के द्वारा संचालित शासन – **राजतन्त्र**
- राजा की सवारी में काम आने वाला साधन– **उपवाहन**
- राजनीतिज्ञों एवं राजदूतों की कला – **कूटनीति**
- राजगद्दी का उत्तराधिकारी/ सबसे बड़ा राजकुमार – **युवराज**
- राजकीय धन जो किसानों की सहायतार्थ दिया जाता है – **सहायिकी**
- रघु के वंश का - **राधव**
- रक्षा करने वाला – **रक्षक**
- रक्त के दाब का मात्रक/अनुपात से घट-बढ़ जाने का रोग – **रक्तचाप**
- योग या मिलन न होने की अवस्था – **वियोग**
- यूरोप और एशिया सम्बन्धी – **यूरेशिया**
- यूरोप एवं भारत संबंधी – **भारोपीय**
- युवा या युवती होने की अवस्था – **यौवन**
- युद्ध में जीता हुआ दास – **ध्वजाहृत**
- युद्ध करने की प्रबल इच्छा करने वाला – **युयुत्सु**
- युद्ध करने की प्रबल इच्छा **– युयुत्सा**
- युग का निर्माण करने वाला **– युग-निर्माता**
- यात्रियों के लिए धर्मार्थ बना हुआ घर – **धर्मशाला**
- यात्रा करने वाला – **यात्री**
- यह सिद्धान्त कि देवत बहुत से है और उनकी उपासना की जानी चाहिए – **बहुदेववाद**
- यह कहना या लिखना कि हमारे मरने पर हमारी सम्पत्ति का विभाग या प्रबंध इस तरह हो – **वसीयत**
- यज्ञ करने और कराने वाला व्यक्ति – **याज्ञिक**
- मौन या वचनबद्ध **– वाग्बद्ध**
- मेघ से आच्छान्न (घिरा) हुआ – **मेघाच्छन्न**
- मृग सी आँखों के समान स्त्री – **मृगनयनी**
- मुर्दे या शव जलाने का स्थान – **श्मशान**
- मीठा बोलने वाला – **मिष्टभाषी**
- मिठाई बनाकर बेचने वाला – **हलवाई**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- मास के शुक्ल पक्ष की पन्द्रहवी तिथि – **पूर्णिमा**
- मास के कृष्ण पक्ष की पन्द्रहवीं तिथि – **अमावस्या**
- मास के किसी पक्ष की पाँचवी तिथि – **पंचमी**
- मास के किसी पक्ष की पहली तिथि – **प्रथमा**
- मास के किसी पक्ष की दूसरी तिथि **– द्वितीयी**
- मास के किसी पक्ष की दसवीं तिथि – **दशमी**
- मास के किसी पक्ष की चौदहवीं तिथि – **चतुर्दशी**
- मास के किसी पक्ष की चौथी तिथि – **चतुर्थी/चौथ**
- मास की तीसरी तिथि – **तृतीया**
- मास की छठीं तिथि – **षष्ठी**
- मास की किसी पक्ष की बारहवीं तिथि **– द्वादशी**
- माया सम्बन्धी या माया के रूप में होने वाला – **मायावी**
- मानने के लिए की गई विनती – **मनुहार**
- मान कराने वाली नायिका – **मानिनी**
- मान (घमण्ड) करने वाली स्त्री – **माननीया**
- माता की हत्या करने वाला – **मातृहन्ता**
- मांस से युक्त भोजन पदार्थ – **सामिष**
- मांस न खाने वाला – **निरामिष**
- मांस खाने वाला – **मांसाहारी**
- महामूर्ख – **जड़**
- महल का भीतरी भाग **– अन्तःपुर**
- मरा हुआ – **मृत**
- मरने की इच्छा – **मुमूर्षा**
- मरते दम तक – **आमरण**
- मरणासन्न अवस्था वाला /मरने की इच्छा करने वाला **– मुमूर्षु**
- मरण तक – **मृत्युपर्यंत**
- मन्दिर का भीतरी भाग **– गर्भगृह**
- मनुष्यों का किसी विशेष विषय पर विचार के लिए मिलन – **सम्मेलन**
- मनुष्य जाति से परे – **मानवेतर**
- मनुष्य की साधारण मृत्यु – **प्रमीति**
- मनपसन्द या नामांकित – **मनोनीत**
- मनगढ़न्त बात – **कपोल-कल्पित**
- मन, वचन और कार्य से **– मनसा-वाचा-कर्मणा**
- मन में होने वाला या स्वाभाविक ज्ञान – **अंतर्ज्ञान**
- मन में अप्रिय भागों का सूचक **– क्लेश**
- मन में अपने आप से उत्पन्न होने वाली प्रेरणा- **अंतःप्रेरणा**
- मन को मोह लेने वाला – **मनमोहक**
- मन के मलीन होने की स्थिति या भाव – **मनो-मालिन्य**
- मन के दुर्बल होने की स्थिति या भाव – **मनो-दौर्बल्य**
- मन की बात जानने वाला – **मर्मज्ञ**
- मन की अवस्था – **मनोवृत्ति**
- मन और उसकी अवस्थाओं तथा क्रियाओं का अध्ययन करने वाला शास्त्र – **मनोविज्ञान**
- मदिरा पीने का प्याला **-'चषक'**
- मतिमंद होने की अवस्था – **मतिमांद्य**
- मत के अनुसार चलने वाला – **मतानुयायी**
- मजदूरी के रूप में दिया जाने वाला खड़ा अन्न – **कोरंजा**
- मछली पकड़ने वाली जाति – **धीवर**
- मछली के समान आँख वाली नायिका – **मीनाक्षी**
- मंद मुस्कराने वाली नायिका – **स्मिता**
- मंत्रियों में सबसे बड़ा – **प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री**
- श्रमणकारी संन्यासी का जीवन या अवस्था – **अनगारिका, अनगार**
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा हो सके : **गोचर**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

हमें FOLLOW करें

- Telegram
- Whatsapp
- Instagram
- Apps
- Youtube

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा